17 नवंबर 2026, मंगलवार
पृष्ठ-08, मूल्य : 2 रुपये
दुमका, वर्ष- 09, अंक - 52
Email-santalexpress20@gmail.com
संताल एक्सप्रेस ई-पेपर व दैनिक ताजा खबर
www.santalexpress.com पर पढ़ें

संताल परगना की आवाज

संताल एक्सप्रेस

दुमका और जमशेदपुर से एक साथ प्रकासित

आज का विचार

खुद को भी उतनी ही नरमी दो,
जितनी अपने बच्चे को देते हो।

जनजातीय समाज ने हमेशा अन्याय के खिलाफ उठाई आवाज : प्रधानमंत्री



एजेंसी

धार । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई है। एक समय था, जब देश में अनेक दिवस और उत्सव विदेशी दृष्टिकोण से तय होते थे, लेकिन आज भारत अपनी विरासत को, अपने इतिहास और अपने नायकों को स्वदेशी स्वाभिमान के साथ याद कर रहा है। ये हमारी राष्ट्रीय चेतना में आए एक बड़े परिवर्तन का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के धार जिले के डही में राज्य स्तरीय समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर विशेष रूप में मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 15 नवंबर 2021 से जनजातीय गौरव दिवस मनाने की जो शुरुआत हुई, आज वो एक राष्ट्रीय उत्सव बन चुका है। उन्होंने कहा कि देश की दो बड़ी उपलब्धियों की चर्चा हर जगह हो रही है। पहली उपलब्धि है देश के करीब 50 करोड़ लोगों की भीषण गरीबी को परास्त करना।

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12-13 बरसों में भारत के 50 करोड़ लोग भीषण गरीबी से बाहर निकले हैं। यह आजादी के बाद देश की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसके पीछे समाज की सामूहिक शक्ति है। इसके पीछे देश के हर नागरिक का परिश्रम है। सरकार ने जनजातीय कल्याण के लिए जो फैसले लिए, जो योजनाएं बनाई, उसका ही ये परिणाम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबी को परास्त करने के लिए कमाई के अवसर बढ़ाने भी जरूरी थे। मुद्रा योजना के माध्यम से लाखों-करोड़ों रुपयों की मदद दी गई। हमारे जनजातीय भाइयों को भी इसका लाभ मिला। इससे उनके अंदर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा हुआ। देश के 100 से ज्यादा आकांक्षी जिलों में विकास , सुविधाओं, नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा का अभियान चलाया गया।

धरती आबा के सपनों का झारखंड बनाना हम सभी की जिम्मेदारी : हेमंत सोरेन



रांची (संवाददाता)। रांची, 15 नवंबर (हि.स.)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर राजधानी रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनकी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री और कल्पना सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पचक्र अर्पित किया और माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे केवल इतिहास के महानायक ही नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा, अस्मिता और स्वाभिमान के सबसे बड़े प्रतीक हैं। अपने लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, त्याग किया और सर्वोच्च बलिदान दिया, वह आने वाली सदियों तक सभी को प्रेरित करता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने राज्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि धरती आबा को याद करने पर उनके मन में एक संकल्प और मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि जिस 'जल, जंगल और जमीन' की रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, उसकी रक्षा करना और उनके सपनों का झारखंड बनाना हम सभी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से धरती आबा के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और आदर्शों को केवल याद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन और कार्यों में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विधायक भूषण बाड़ा मामला

एनसीएसटी आयोग ने मुख्य सचिव समेत तीन अधिकारियों को भेजा नोटिस

दुष्कर्म के मामले में सात दिनों के भीतर कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी



संवाददाता

रांची । सिमडेगा के विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ नाबालिग किशोरी से कथित दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज होने के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने इस संबंध में झारखंड के मुख्य सचिव, रांची के उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को नोटिस जारी किया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों से सात दिनों के भीतर मामले में की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोग ने संबंधित पदाधिकारियों से मामले में अब तक की गई कार्रवाई और अन्य आवश्यक तथ्यों की रिपोर्ट मांगी है।

आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित सात दिनों की अवधि में यदि संबंधित अधिकारियों का जवाब प्राप्त नहीं होता है तो उन्हें आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन जारी किया जा सकता है।

आइसा ने घटना पर जताया विरोध, निष्पक्ष जांच और पीड़िता की सुरक्षा की मांग की

रांची । सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग आदिवासी लड़की से दुष्कर्म के गंभीर आरोपों को लेकर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की झारखंड राज्य परिषद ने कड़ा विरोध जताया है।संगठन ने घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए बिना किसी राजनीतिक दबाव के मामले की जांच कराने, दोषियों को सजा दिलाने की मांग की है।साथ ही पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। आइसा ने कांग्रेस पार्टी से भी इस मामले में अपनी जवाबदेही तय करने की अपील की है।संगठन ने कहा कि यह मामला केवल अपराध की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़िता की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने से भी जुड़ा है।संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि अब तक हुई कार्रवाई को पर्याप्त मानकर जिम्मेदारी से पीछे न हटे। पीड़िता और उसके परिवार को तत्काल सुरक्षा मुहैया कराने के साथ-साथ कानूनी सहायता और मनोवैज्ञानिक सहयोग की मांग की गई है।

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे राहुल चुनाव आयोग से 48 सवालों के मांगे जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर राहुल गांधी समेत इंडिया गठबंधन के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में नया हलफनामा दाखिल किया है। सुनवाई से एक दिन पहले दाखिल इस हलफनामे में विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दोनों चुनाव आयुक्तों और निर्वाचन आयोग के आईटी महानिदेशक से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की अनुमति मांगी है।

विपक्षी नेताओं ने अदालत को 48 सवालों की सूची भी सौंपी है। उनका आरोप है कि निर्वाचन आयोग ने अपने जवाबी हलफनामे में एसआईआर और कथित वोट चोरी से जुड़े कई अहम सवालों का जवाब नहीं दिया। विपक्ष का दावा है कि एसआईआर प्रक्रिया में



गंभीर अनियमितताएं हुईं, जिसके कारण बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए।

हलफनामे में पूछा गया है कि देशव्यापी एसआईआर कराने, फॉर्म-6 में बदलाव करने और ईआरओनेट तथा ईसीआईनेट के केंद्रीकरण का फैसला किस स्तर पर लिया गया था। विपक्ष ने यह भी जानना चाहा है कि इन फैसलों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच कोई असहमति थी या नहीं।

विपक्ष ने चुनाव आयोग के जवाब में आईपी एड्रेस और अन्य तकनीकी रिकॉर्ड का विवरण नहीं दिए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि इन जानकारियों के अभाव में प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह पैदा होता है।

वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने संयुक्त हलफनामे में आरोपों को खारिज किया है। आयोग के मुताबिक, जून 2025, अक्टूबर 2025 और मई 2026 में एसआईआर से जुड़े फैसले तीनों आयुक्तों की चर्चा और सर्वसम्मति से लिए गए थे। आयोग ने यह भी कहा है कि फॉर्म-6 में बदलाव का अधिकार केंद्र सरकार के पास है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में 20 और 21 नवंबर को भारी बारिश

रांची । झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में मंगलवार से मौसम में बदलाव होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार और बुधवार को राज्य के कई जिलों में आसमान में बादल छाए रहेंगे। वहीं, 20 और 21 नवंबर को कुछ जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 20 नवंबर को राज्य के दक्षिणी हिस्से के चार जिलों पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां में भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, 21 नवंबर को मध्यवर्ती और पश्चिमी झारखंड के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हो सकती है।

जम्मू में दो आतंकियों को सेना ने किया ढेर

जम्मू । जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है, इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है। लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल थी। दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे। इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे।

निशा भगत आत्महत्या मामले में सीबीआई ने दर्ज की प्राथमिकी, अजय तिर्की और ज्योत्सना केरकेट्टा नामजद





संवाददाता

रांची । आदिवासी युवती निशा भगत आत्महत्या मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इसमें केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की और आदिवासी नेत्री ज्योत्सना केरकेट्टा को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इसके अलावा कुछ अज्ञात लोगों को भी अभियुक्त बनाया गया है। सीबीआई की दिल्ली स्थित विशेष अपराध शाखा-1 ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज करने के साथ ही जांच तेज कर दी है। सोमवार को जांच एजेंसी की टीम रांची के पहाड़ी टोला स्थित अजय तिर्की के आवास पर पहुंची और उनसे पूछताछ की। वहीं, छह सदस्यीय सीबीआई टीम ज्योत्सना केरकेट्टा के आवास पर भी पहुंची, जहां उनसे पूछताछ की गई। टीम दोनों के खिलाफ लगाए गए आरोपों से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

छह नवंबर को निशा भगत ने आत्महत्या कर ली थी। इस घटना को लेकर उनके पिता हंदू भगत की शिकायत पर पिठौरिया थाने में प्राथमिकी संख्या 114/2026 दर्ज की गई थी। सीबीआई ने जांच अपने हाथ में लेने के बाद इसी प्राथमिकी को आधार बनाकर मामला दर्ज किया है।

उल्लेखनीय है कि पिठौरिया थाना क्षेत्र के डहू टोली स्थित अपने आवास पर निशा भगत ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। घटना से पहले वह फेसबुक लाइव पर आई थीं। इस दौरान रोते हुए उन्होंने अपनी परेशानियां साझा की थीं। लाइव वीडियो में उन्होंने जमीन के कारोबार से जुड़े कुछ लोगों पर कथित प्रताड़ना का आरोप लगाया था और पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए थे।

आत्महत्या से पहले निशा ने पिठौरिया थाना प्रभारी को फोन कर अपनी परिस्थितियों की जानकारी दी थी। आरोप है कि थाना प्रभारी ने उन्हें थाने बुलाने की बात कहकर फोन काट दिया था।

फेसबुक लाइव के दौरान निशा ने अजय तिर्की का नाम लेते हुए भी कई आरोप लगाए थे। निशा की मौत के बाद उनके पिता हंदू भगत ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई थी।

अजय तिर्की और ज्योत्सना केरकेट्टा के आवास पहुंची सीबीआई की टीम

रांची । आदिवासी नेता निशा भगत की मौत मामले में सीबीआई की टीम अजय तिर्की के रांची स्थित पहाड़ी टोला आवास पर पहुंची है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को ही इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। सीबीआई की टीम अजय तिर्की से पूछताछ कर रही है।गौरतलब है कि निशा भगत की आत्महत्या के मामले में उनके पिता हंदू भगत के आवेदन पर पिठौरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें अजय तिर्की और ज्योत्सना केरकेट्टा को आरोपी बनाया गया है।इस मामले में राज्य सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। सीबीआई के कई अधिकारी अजय तिर्की के घर के अंदर गए हैं। बाहर में रांची पुलिस के दो जवान को सुरक्षा में तैनात किया गया है।

जेपीएससी-जेएसएससी मामले में सुप्रीम कोर्ट में छह हस्तक्षेप याचिकाएं दायर

संवाददाता

रांची । झारखंड लोक सेवा आयोग और राज्य कर्मचारी चयन आयोग नियुक्ति घोटाले में सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका में छह हस्तक्षेप याचिकाएं दायर की गयी हैं।इन हस्तक्षेप याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत, पक्षाकर बनाने आदि का अनुरोध किया गया है।उल्लेखनीय है कि 19 अगस्त 2026 को दिल्ली निवासी हरिशरण देवगम ने जेपीएससी जेएसएससी नियुक्ति घोटाले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉय माल्या बागची और न्यायाधीश वी मोहना की पीठ में हुई थी।कोर्ट ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया।बाद में न्यायाधीश वी मोहना ने खुद को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया।इसके बाद न्यायालय ने सीबीआई जांच की मांग से जुड़ी सुनवाई उस पीठ में करने का आदेश दिया, जिसमें न्यायाधीश वी मोहना शामिल नहीं हों।न्यायालय के इस आदेश के बाद अब तक इस मामले की सुनवाई नहीं हुई है। लेकिन इस मामले में कुल 20 हस्तक्षेप याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं।हस्तक्षेप याचिका दायर करने वालों में पीयुष कुमार सिंह, सबिता कुमारी, के. एल प्रसाद, राजेश प्रसाद और अमित कुमार चंद्रवंशी का नाम शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट में वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को सुनाई खरी-खोटी

कहा-आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं, आपमें ईमानदारी नहीं है

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत और एक वकील के बीच तीखी बहस हो गई। सुनवाई के दौरान वकील ने सीजेआई से कहा, आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं। आपमें ईमानदारी नहीं है। हंगामे के बाद कोर्ट ने सुनवाई को प्रसारण म्यूट कर दिया। दरअसल, वकील अपने मामले पर जल्द सुनवाई चाहते थे। उन्होंने पहले अपनी बात रखने के लिए माफी मांगी और कहा कि मामला बेहद जरूरी है। वकील के मुताबिक, उन्होंने 2 नवंबर को सीजेआई सूर्यकांत के चैंबर में एक दस्तावेज दिया था, लेकिन 15 दिन बाद भी उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसी वजह से उन्हें अदालत में अपनी बात रखनी पड़ी।

वकील की बात सुनने के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने उनसे इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा, हम देखेंगे, आप थोड़ा इंतजार कीजिए। इस पर वकील ने साफ कह दिया कि वे इंतजार नहीं करेंगे। इस दौरान जस्टिस मोहना ने वकील को इस तरह की टिप्पणी करने से रोका, लेकिन वे नहीं माने। उन्होंने फिर सीजेआई से कहा, आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं। आपमें ईमानदारी नहीं है। कोर्ट में मौजूद वकीलों के मुताबिक, संबंधित वकील को सुरक्षाकर्मियों ने कोर्टरूम से बाहर कर दिया।

दुमका में दो अलग-अलग सड़क हादसे में तीन की मौत

संतला एक्सप्रेस संवाददाता

दुमका, जामा, शिकारीपाड़ा। थाना क्षेत्र के दुमका-देवघर मुख्य मार्ग स्थित महारो पुल से पहले देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में सरसाबाद गांव के दो युवकों की असमय मृत्यु हो गई। मृतकों की पहचान सरसाबाद निवासी मनोज मुर्मू और कानिर्स मरांडी के रूप में की गई है। एक ही गांव के दो नौजवानों की मौत की खबर मिलते ही पूरे इलाके में मातम पसर गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों युवक देर रात कहीं जा रहे थे और इसी दौरान महारो पुल के पास वे किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कानिर्स मरांडी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल मनोज मुर्मू को जामा पुलिस की मदद से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दुर्गापुर ले जाया जा रहा था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी भी सांसें थम गईं।

दूसरी घटना दुमका-रामपुरहाट मुख्य मार्ग पर चायपानी के समीप एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से 21 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के पातपहाड़ी निवासी आमिर सोरेन के रूप में हुई है। वह अपने परिवार का इकलौता पुत्र था। मिली जानकारी के अनुसार, आमिर सोरेन हेलमेट पहनकर शिकारीपाड़ा बाजार से अपने घर पातपहाड़ी लौट रहा था। इसी दौरान सरसडंगाल की ओर से आ रहे गिट्टी लदे एक अनियंत्रित ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आमिर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

यूपी में सीट बंटवारे पर सपा-कांग्रेस में खींचतान, कांग्रेस को 50 सीटें देने पर अड़ी सपा

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान तेज हो गई है। कांग्रेस ने प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग रखी है, जबकि समाजवादी पार्टी उसे 50 से अधिक सीटें देने के पक्ष में नहीं दिख रही है। दोनों दलों के बीच सीटों का यह अंतर गठबंधन के लिए चुनौती बनता जा रहा है।



समाजवादी पार्टी के सांसद शिवपाल सिंह पटेल ने कांग्रेस की मांग पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी को 50 से अधिक सीटें नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव करेंगे। उनके मुताबिक, गठबंधन में उन्हीं सीटों पर चर्चा होनी चाहिए, जहां कांग्रेस की जीतने की संभावना मजबूत है।

उधर, कांग्रेस नेतृत्व भी सीटों के मामले में अपने हितों से समझौता करने के पक्ष में नहीं है। सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि पार्टी के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सीटों की संख्या के बजाय जीतने की क्षमता वाली सीटों पर ध्यान देने की बात कही।

सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, राजेंद्र पाल गौतम, आराधना मिश्रा और इमरान मसूद की समन्वय समिति बनाई गई है। यह समिति समाजवादी पार्टी के नेताओं से बातचीत करेगी।

दोनों दलों के बीच 17 नवंबर से सीटों पर औपचारिक चर्चा शुरू होने की संभावना है। अब देखना होगा कि भाजपा को चुनौती देने के लिए बना इंडिया गठबंधन सीटों के इस पेच को कैसे सुलझाता है।



नाबालिग यौन उत्पीडन मामले पर सरकार कराए निष्पक्ष जांच : झामुमो

संताल एक्सप्रेस



रांची । झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा से जुड़े नाबालिग के कथित यौन शोषण मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है।उन्होंने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि मामला बेहद गंभीर है। सरकार सुनिश्चित करे कि जांच में किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक पद, प्रभाव या पार्टी के आधार पर संरक्षण नहीं मिलनी चाहिए। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश की ओर से राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पांडेय ने कहा कि नाबालिग बच्ची को न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जांच एजेंसियां तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर मामले की तह तक पहुंचेंगी।वहीं न्यूज चैनल के कार्यालय में पुलिस कार्रवाई पर उठे सवालों को लेकर उन्होंने कहा कि यदि प्रक्रिया में कोई अनियमितता हुई है तो उसकी भी जांच होनी चाहिए। पुलिस को कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए। मीडिया की स्वतंत्रता और कानून के पालन, दोनों का सम्मान जरूरी है।पांडेय ने कहा कि यदि इस प्रकरण में कोई साजिश रची गई है या राजनीतिक लाभ के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है तो उसके पीछे शामिल चेहरों को भी बेनकाब किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित करने के बजाय निष्पक्ष जांच और कानूनसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। दोषी चाहे कोई भी हो, उसे सजा मिलनी चाहिए।

पत्रकार अभिषेक भारती के खिलाफ प्राथमिकी और पुलिस कार्रवाई के विरोध में धरना-प्रदर्शन

संताल एक्सप्रेस



रांची। झारखंड में पत्रकारिता की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और निष्पक्ष पुलिसिया कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को रांची प्रेस क्लब में पत्रकारों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों ने सिमडेगा के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग बच्ची द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों तथा इस मामले को सामने लाने वाले पत्रकार अभिषेक भारती के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और पुलिस कार्रवाई पर गहरी चिंता व्यक्त की।बैठक में पत्रकारों ने पूरे मामले पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि नाबालिग बच्ची द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और कानून के अनुसार दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं, मामले को सार्वजनिक करने वाले पत्रकार अभिषेक भारती के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी तथा सिमडेगा पुलिस द्वारा रांची के हरमू स्थित द भारत मित्र कार्यालय में की गई छापेमारी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जब्ती पर पत्रकारों ने कड़ा विरोध जताया।बैठक के उपरांत रांची प्रेस क्लब परिसर में पत्रकारों ने धरना दिया और विरोध-प्रदर्शन किया।इस दौरान पत्रकारों ने पुलिस कार्रवाई के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन में शामिल पत्रकारों ने कहा कि किसी भी पत्रकार के खिलाफ शिकायत होने पर कानून के तहत जांच होनी चाहिए, लेकिन पत्रकारिता के कार्य और खबरों के प्रकाशन के कारण किसी को प्रताड़ित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रेस की स्वतंत्रता के लिए चिंताजनक है।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि रांची प्रेस क्लब की ओर से राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग की जाएगी। साथ ही, नाबालिग बच्ची को न्याय दिलाने, अभिषेक भारती के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी की निष्पक्ष समीक्षा करने तथा द भारत मित्र कार्यालय में हुई पुलिस कार्रवाई की जांच कराने की मांग भी उठाई जाएगी।धरना-प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि आज सवाल सिर्फ अभिषेक भारती का नहीं है, बल्कि झारखंड में पत्रकारिता की स्वतंत्रता का है।

यदि किसी गंभीर मामले को सामने लाने वाले पत्रकार को ही कार्रवाई और प्रताड़ना का सामना करना पड़ेगा, तो यह स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए गंभीर चिंता का विषय है।पत्रकारिता अपराध नहीं है और सवाल पूछना गुनाह नहीं। लोकतंत्र में प्रेस की स्वतंत्रता और कानून के समक्ष समानता, दोनों की रक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए।

भूषण बाड़ा मामले में दोषी व्यक्ति के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई : बंधु



रांची । पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सिमडेगा विधायक से जुड़े प्रकरण को गंभीर मामला बताया है। इस संबंध में उन्होंने सोमवार को रांची स्थित कांग्रेस के प्रदेश मुख्योलय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि मामले प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है और जांच चल रही है। ऐसे संवेदनशील मामले में किसी को भी जांच को प्रभावित करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। जांच में सभी पक्षों को सहयोग करना चाहिए और कानून को अपना काम करने देना चाहिए।बंधु तिर्की ने कहा कि कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि इस पूरे मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। चाहे वह विधायक हो, पत्रकार हो या कोई अन्य व्यक्ति, कानून सबके लिए बराबर है। किसी को राजनीतिक संरक्षण नहीं मिलना चाहिए और न ही किसी को राजनीतिक दुर्भावना के आधार पर फंसाया जाना चाहिए।

सुविधा के हिसाब से अलग रूख अपना रही भाजपा

उन्होंने भाजपा सांसद दीपक प्रकाश से सवाल किया कि आज वह इस मामले को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं और पत्रकारों के मुद्दे पर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन जब बृजभूषण सिंह पर इसी तरह के गंभीर आरोप लगे थे, तब सांसद रहते हुए उन्होंने आवाज क्यों नहीं उठाई। उस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने में कई महीने लग गए थे। बंधु ने पूछा कि क्या उस समय पीड़ितों के सम्मान और न्याय की चिंता नहीं थी। भाजपा नेताओं को अपनी सुविधा के हिसाब से महिला सुरक्षा और न्याय के मुद्दों पर अलग-अलग रुख नहीं अपनाना चाहिए।बंधु तिर्की ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को लेकर कहा कि इस पूरे मामले में बाबूलाल मरांडी ने अपनी ओर से क्या कदम उठाए। एक नाबालिग बच्ची से जुड़े इतने संवेदनशील मामले में राजनीति करने के बजाय उसकी सुरक्षा और कानूनी प्रक्रिया को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई।उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता आज जांच पूरी होने से पहले ही धरना-प्रदर्शन और बयानबाजी कर रहे हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी विधायक को गिरफ्तार करो : सीपीएम

रांची। माकपा का राज्य सचिवमंडल नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा की अविलंब गिरफ्तारी की मांग करता है. पुलिस अनुसंधान के क्रम में आरोपी को ऐसी छूट नहीं मिलनी चाहिए, जिससे उसे पीड़िता पर दबाव डालने एवं साक्ष्यों को मिटाने का मौका मिल जाए.जबकि इस मामले में पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट की धाराओं के साथ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, मजिस्ट्रेट के समक्ष पीड़िता का बयान भी हो चुका है. इसलिए आरोपी विधायक की गिरफ्तारी तुरंत होनी चाहिए.

कांग्रेस छह नवंबर को निकालेगी संविधान रक्षा मार्च

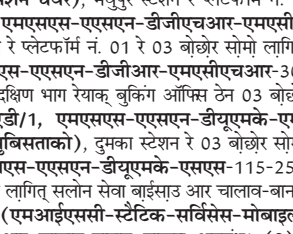

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी 26 नवंबर को संविधान रक्षा मार्च निकालेगी। यह निर्णय सोमवार को कांग्रेस भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की उपस्थिति में आयोजित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' निगरानी समिति की बैठक में लिया गया।बैठक में निगरानी समिति के संयोजक अनादि ब्रहम, लाल किशोर नाथ सहदेव, डॉ एम तौसीफ, आहार पप्पू और जितेंद्र द्विवेदी मौजूद थे।बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य के सभी जिलों में चल रहे चौपाल कार्यक्रम को फिर से 18 नवंबर से गति प्रदान की जाएगी। चौपाल के माध्यम से ऐसे कम से कम 10 लोगों को शामिल किया जाएगा, जो जीवित हैं और वर्ष 2003 से लगातार मतदान करते आ रहे हैं, लेकिन मतदाता सूची से उनका नाम काट दिया गया है। ऐसे लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।इसके अलावा, नए मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए भी विशेष पहल की जाएगी। अक्टूबर 2026 में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं से फॉर्म-6 भरवाकर उन्हें मतदाता सूची में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

भूषण बाड़ा को बचाने में मीडिया की आवाज दबाने के लिए पुलिस का हो रहा दुरुपयोग : दीपक प्रकाश

संताल एक्सप्रेस



रांची । झारखंड़ भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के द्वारा मीडिया के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ झारखंड सरकार, सरकारी मशीनरी, पुलिस प्रशासन का जो रवैया है, वह अलोकतांत्रिक है, उसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए कम है। उन्होंने रांची और सिमडेगा पुलिस के द्वारा गुंडों की तरह बिना सर्च वारंट के एक प्रतिष्ठित समाचार चैनल के दफ्तर में रात को घुसने की घटना की निंदा करते हुए इसे 1975 की आपातकाल की पुनरावृत्ति बताया। उन्होंने इस विषय पर आत्मचिंतन करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि 13 नवंबर को सिमडेगा के कांग्रेस के विधायक भूषण बाडा पर सिमडेगा के ही एक नाबालिग आदिवासी समाज की 14 वर्षीय बालिका ने दुष्कर्म और यौन शोषण का आरोप लगाते हुए एक एफआईआर दर्ज कराया। बीएनएस की धारा 183 के तहत उस नाबालिग आदिवासी बालिका का रांची के न्यायिक दंडाधिकारी के सामने बयान दर्ज होने से सरकार, सरकारी तंत्र और कांग्रेस बुरी तरह से बौखला गई है। प्रकाश ने एक नाबालिग बच्ची के साथ किए गए दुष्कर्म की घटना को गंभीर मामला बताते हुए कहा कि सत्ताधारी दल के विधायक के द्वारा इस तरह के दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया जाता है और यह घटना उजागर नहीं हो, इसके लिए राज्य सरकार और विधायक के द्वारा मीडिया पर लगातार दबाव बनाया जाता है। प्रकाश ने सिमडेगा के एसपी और उपायुक्त पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह दोनों ही अधिकारी सत्ताधारी दल के विधायक को हमेशा बचाते रहे हैं।प्रकाश ने राहुल गांधी और कांग्रेस से सवाल पूछते हुए कहा कि राहुल गांधी बताएं कि सिमडेगा के विधायक भूषण बाड़ा पर जब पूर्व से यौन शोषण का मुकदमा दर्ज था तो पार्टी ने किस आधार पर उन्हें 2019 और 2024 में टिकट दी। अभी वर्तमान में जो आरोप लगा है, इस पर कांग्रेस पार्टी अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की है । प्रकाश ने न्यूज़ चैनल कार्यालय पर पुलिस की दबिश और उनके उपकरणों की जब्ती पर आपत्ति जताते हुए इसे आपातकाल के समय अभिव्यक्ति पर लगी पाबंदी से तुलना की।

झारखंड स्थापना दिवस पर 15 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

रांची । झारखंड राज्य स्थापना दिवस और राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर राज्यभर में 15 दिवसीय विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों की शुरुआत 15 नवंबर को 'रन फॉर क्लीनलिनेस से हुई। वहीं, 28 नवंबर को रांची के खेलगांव में आयोजित भव्य समारोह के साथ इसका समापन होगा। इस दौरान स्वच्छता अभियान, खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जनभागीदारी से जुड़े आयोजन, मेला-सह-प्रदर्शनी तथा विभिन्न विकास योजनाओं के उद्घाटन, शिलान्यास और परिसंपत्ति वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।कार्यक्रम के तहत 15 नवंबर को सुबह 7 से 8 बजे तक राज्य के सभी जिलों में 'रन फॉर क्लीनलिनेस' का आयोजन किया गया। इसके लिए जिले के किसी प्रमुख स्थल अथवा चौक-चौराहे से दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। दौड़ का समापन प्रमुख छठ घाटों की साफ-सफाई के साथ हुआ। इसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था।स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत 17 से 25 नवंबर तक पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड की माटी कला का जलवा



रांची । नई दिल्ली में आयोजित 45वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले - 2026 में फोकस स्टेट के रूप में शामिल झारखंड अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक हस्तशिल्प के माध्यम से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। झारखंड पवेलियन में पारंपरिक माटी कला (टेराकोटा) का लाइव प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मिट्टी से विभिन्न उपयोगी उत्पाद तैयार करने की पारंपरिक कला और पर्यावरण अनुकूल हस्तनिर्मित वस्तुओं को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।पवेलियन में कारीगर लाइव डेमो के माध्यम से ट्रे, सुराही, कप, गिलास, थाली और केतली जैसे आकर्षक एवं उपयोगी उत्पाद तैयार कर रहे हैं। इस प्रदर्शन की खासियत यह है कि आगंतुक अपनी पसंद के उत्पादों को अपनी आंखों के सामने बनते देख सकते हैं। साथ ही, वे स्वयं भी इस पारंपरिक कला का अनुभव लेकर अपने हाथों से मिट्टी के उत्पाद तैयार कर सकते हैं। तैयार उत्पादों को सीधे कारीगरों से खरीदने की सुविधा भी लोगों को आकर्षित कर रही है।झारखंड सरकार की ओर से राज्य की पारंपरिक कला एवं शिल्प के संरक्षण, स्थानीय कारीगरों के सशक्तीकरण और उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। माटी कला बोर्ड की परिकल्पना के तहत पारंपरिक कुम्हारों और माटी शिल्पकारों को पहचान दिलाने, उनके कौशल विकास, आधुनिक डिजाइन से जोड़ने तथा आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

चतरा में कोयला खनन को मंजूरी, कटेंगे 6 लाख पेड़, हाथियों के रास्ते भी खतरे में

रांची। झारखंड के चतरा जिले में ओपन कास्ट कोयला खनन परियोजना के विस्तार के लिए 928.03 हेक्टेयर वन भूमि को अन्य कार्यों के लिए इस्तेमाल करने की योजना को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत वन सलाहकार समिति से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इस प्रस्तावित योजना के तहत 5.67 लाख पेड़ काटे जाएंगे। इनमें 2.43 लाख साल के पेड़ शामिल हैं।इसके साथ ही इस परियोजना से इस क्षेत्र में मानव-हाथी संघर्ष के और बढ़ने की आशंका भी है।वैसे भी झारखंड में मानव-हाथी संघर्ष एक गंभीर पर्यावरणीय और सार्वजनिक सुरक्षा का मुद्दा गंभीर रहा है। इसके मु य कारणों में प्राकृतिक आवास का तेजी से खंडित होना, वनों की कटाई, खनन और कृषि क्षेत्र का विस्तार शामिल हैं। हालाँकि प्रस्तावित भूमि परिवर्तन किसी संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आता है, लेकिन यहाँ हाथियों, लकड़बग्घों, सियार, बंगाल लोमड़ियों और रॉक अजगरों की मौजूदगी की सूचना मिली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अशोक एक्सपेंशन ओपनकास्ट कोल माइनिंग प्रोजेक्ट नामक इस परियोजना का लक्ष्य प्रति वर्ष 20 मिलियन टन कोयले का अधिकतम उत्पादन करना है।यह परियोजना चतरा जिले के नॉर्थ करनपुरा कोलफील्ड में स्थित है और चतरा दक्षिण वन प्रभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है। इस विस्तार के तहत मौजूदा ओसीपी का दायरा पश्चिम की ओर बढ़ाया जाएगा।वन सलाहकार समिति ने निर्देश दिया है कि खनन कार्य शुरू होने से पहले, मानव-पशु संघर्ष को कम करने के लिए एक विशेष वन्यजीव प्रबंधन योजना तैयार की जाए। इस योजना को झारखंड के मु य वन्यजीव वार्डन से मंजूरी मिलनी चाहिए और इसमें गाँव स्तर के सुझाव भी शामिल होने चाहिए।साथ ही, इसमें भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा की जाने वाली दीर्घकालिक शोध और निगरानी का प्रावधान भी होना चाहिए, ताकि परियोजना के प्रभाव और प्रबंधन योजना की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जा सके।इस योजना को तैयार करने और लागू करने का पूरा खर्च परियोजना प्रस्तावक को उठाना होगा। चतरा जिले में अवस्थित सीसीएल की अशोक ओपनकास्ट कोयला खदान का दौरा किया। 20 एमटी की सालाना पीक रेटेड क्षमता वाली यह खदान सीसीएल की सबसे बड़ी कोल परियोजनाओं में से एक है।एक अन्य मामले में एफएसी ने मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में मछरेवा सिंचाई परियोजना के लिए 492.579 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन हेतु स्टेज-द्वि मंजूरी की सिफारिश की है।बताया गया है कि इस वन क्षेत्र में बाघ, तेंदुए, भालू और सियार पाए जाते हैं।यह निर्णय 23 अक्टूबर को वन महानिदेशक और पर्यावरण मंत्रालय के विशेष सचिव, संतोष तिवारी की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा लिया गया।

दिल्ली में 21.78 लाख की साइबर ठगी का आरोपित गिरिडीह से गिरफ्तार

गिरिडीह । गिरिडीह साइबर थाना पुलिस ने करोड़ों रुपये की साइबर ठगी के मामलों में आरोपित सोनू वर्मा को गिरफ्तार किया है। इस बार उसकी गिरफ्तारी पश्चिमी दिल्ली के साइबर थाने में दर्ज 21.78 लाख रुपये की ठगी के मामले में हुई है। गिरिडीह के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गपई गांव से रविवार को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया। अब दिल्ली पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर ले जाने की तैयारी कर रही है।इस संबंध में गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि पश्चिमी दिल्ली के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने साइबर थाना में दर्ज कांड संख्या 522/2026 की जानकारी देते हुए आरोपित की गिरफ्तारी में सहयोग मांगा था। इसके बाद सोनू वर्मा की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। साइबर इंस्पेक्टर रामेश्वर भगत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गपई गांव स्थित उसके घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया।गिरफ्तारी के बाद देर रात पश्चिमी दिल्ली साइबर थाने के अधिकारी संजीव कुमार पुलिस बल के साथ गिरिडीह पहुंचे। दिल्ली पुलिस की टीम ने सोनू वर्मा से पूछताछ की। दिल्ली पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि ठगी की रकम कोलकाता तक पहुंचाई गई है। अब पुलिस इस मामले में उसके अन्य सहयोगियों की तलाश कर रही है।पुलिस के अनुसार, सोनू वर्मा पिछले करीब एक दशक से साइबर अपराध की दुनिया में सक्रिय है। उस पर करोड़ों रुपये की ठगी में शामिल होने का आरोप है। वह पहले भी जेल जा चुका है।पश्चिमी दिल्ली साइबर थाने के अधिकारी संजीव कुमार ने भी सोनू वर्मा की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि उसे कांड संख्या 522/2026 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

अवैध संबंध में दो हत्या आरोपित गिरफ्तार

लोहरदगा । लोहरदगा जिला के भंडरा में अवैध संबंध में एक महिला पूजा लहेरी और उसके प्रेमी रोहित कुमार की हत्या का मामला प्रकाश में आया है।स्थानीय लोगों के अनुसारमहिला के पति सोनू लहेरी ने टांगी से काट कर घटना को अंजाम दिया।घटना रविवार देर रात की है। महिला के दो बच्चे हैं। हत्यारे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला के पति सोनू के अनुसार उसकी पत्नी का प्रेमी बिहार का बाढ़ जिला का रहने वाला था। उसका नाम रोहित कुमार है।दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख कर अपने घर में ही टांगी से काट कर दिया। सोनू के दो बेटे हैं।घटना स्थल पर पुलिस पहुंच गई है और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में लगी हुई है। अवैध संबंध में हुई इस घटना की चर्चा क्षेत्र में हो रही है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

श्री श्री विश्वविद्यालय पूर्व और पश्चिम की शिक्षा पद्धतियों का अद्भुत संगम है : उपराष्ट्रपति



कटक । मुं भारत माता, जिए की सर्व शक्तिमान ओ परम दयालु, ताङ्क श्रीचरण कमलरे मोर भक्तिभरा प्रणाम जणाउछि। इन भावपूर्ण शब्दों के साथ भारत के उपराष्ट्रपति श्री चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने सोमवार को श्री श्री विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आइकॉनिक टावर के उद्घाटन समारोह में ओड़िआ भाषा में अपने संबोधन का शुभारंभ किया। श्री श्री विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय प्राच्य और पाश्चात्य शिक्षा प्रणालियों का अद्भुत संगम है।

सोनिया की पुस्तक बिलॉन्गिंग- अ जर्नी ऑफ लव पर विशेष पुस्तक पाठ आयोजित



रांची । प्रोफेशनल्स कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी आदित्य विक्रम जायसवाल के नेतृत्व में सोमवार को प्रेस क्लब, रांची में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग - अजर्नी ऑफ लव' पर विशेष पुस्तक पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश मीडिया संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव, शशि भूषण राय, सहित अन्यर उपस्थित थे।कार्यक्रम में पुस्तक के विभिन्न अंशों को पढ़ा गया। इस दौरान सोनिया गांधी के जीवन, उनके व्यक्तिगत अनुभवों, संघर्षों पर चर्चा की गई।मौके पर प्रोफेशनल्स कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि सोनिया गांधी की यह पुस्तक उनके जीवन के अनुभवों की कहानी है।प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि सोनिया गांधी का जीवन भारतीय लोकतंत्र, सामाजिक एकता और संविधान के मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।मौके पर कांग्रेस नेता राजू राम, प्रभात अग्रवाल, सरवर पॉल, डॉ सिद्धार्थ, अनिल सिंह, गौरव आनंद सहित अन्य मौजूद थे।

जलेस की ऑनलाइन गोष्ठी में 50 साहित्यकारों ने हिस्सा लिया

रांची । झारखंड स्थापना दिवस और विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर जनवादी लेखक संघ (जलेस), रांची की ओर से ऑनलाइन कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में झारखंड, बिहार और दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों के 50 से अधिक साहित्यकारों और साहित्यप्रेमियों ने भाग लिया। इस दौरान 20 से अधिक कवियों और शायरों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। यह जानकारी जलेस के सचिव एमजेड खान ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में हिंदी, उर्दू, नागपुरी, मुंडारी, खड़िया और खोरठा सहित कई भाषाओं में काव्य पाठ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ अशरफ अली के स्वागत भाषण से हुई।उन्होंने हिंदी और उर्दू की साझा सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने पर जोर दिया।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी खोबोर

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 अनुबंध एमोक् लागित् ते वेबसाइट **www.ireps.gov.in** मेताक्मे आईआरईपीएस पोर्टल दाराय ते ई-नीलामी नेवतायेत् काना। नोआ रेयाक् बानाडाय दो नोडका लेका मेनाक्आः

(क) ई-नीलामी खोबोर सं. एएसएन-एमएसएस-27-11, माहित 12.11.2026

कैटलॉग सं. एएसएन-एमएसएस-27-11, **नीलामी एहोबोक् रेयाक् तारीक आर सोमोयः** माहित 27.11.2026, 13.00 बजे। **क्रम सं., अनुक्रम सं., लॉट सं., बानाडाय दो नोडका लेका मेनाक्आः (1) एए/1, एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एसएलपॉड-163-26-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टेशन रे स्लीपिंग पॉड)**, दुर्गापुर रेलवे स्टेशन रे स्लीपिंग पॉड 05 बोछोर सोमोय लागित् लाहान्तीय, चालाव-बानाव आर जेलजोतोन बाखरा अनुबंध। **(2) एबी/1, एमएसएस-एएसएन-एएसएन-डीआईजीआईएल**-114-25-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टेशन रे डिजिटल लॉकर)**, आसनसोल रेलवे स्टेशन रे 03 बोछोर सोमोय लागित् डिजिटल लॉकरको बाईसाउ आर चालाव-बानाव लागित् अनुबंध। **(3) एसी/1, एमएसएस-एएसएन-एमडीपी-एमएसीएचआर**-56-25-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-रिलैक्सेशन चेयर)**, मधुपुर स्टेशन रे प्लेटफॉर्म नं. 3/4 रे बातलावाकान जायगा रे रिलैक्सेशन चेयर बाईसाउ आर चालाव-बानाव। **(4) एसी/2, एमएसएस-एएसएन-डीजीएचआर-एमएसीएचआर**-31-25-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-रिलैक्सेशन चेयर)**, देवघर स्टेशन रे प्लेटफॉर्म नं. 01 रे 03 बोछोर सोमो लागित् रिलैक्सेशन चेयर बाईसाउ आर चालाव-बानाव लागित् अनुबंध। **(5) एसी/3, एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एमएसीएचआर**-30-25-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-रिलैक्सेशन चेयर)**, दुर्गापुर रेलवे स्टेशन रे दक्षिण भाग रेयाक् बुकिंग ऑफिस ठेन 03 बोछोर सोमोय लागित् रिलैक्सेशन चेयर बाईसाउ आर चालाव बानाव बाखरा अनुबंध। **(6) एडी/1, एमएसएस-एएसएन-डीयूएमके-एमईडीएसटीएन**-158-26-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टेशन रे रान-मुरगान सुबिसताको)**, दुमका स्टेशन रे 03 बोछोर सोमोय लागित् मेडिकल स्टोर बाईसाउ आर चालाव-बानाव बाखरा अनुबंध। **(7) एई/1, एमएसएस-एएसएन-डीयूएमके-एमएसएस**-115-25-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-सलोन सेवाको)**, दुमका स्टेशन रे 03 बोछोर सोमोय लागित् सलोन सेवा बाईसाउ आर चालाव-बानाव बाखरा अनुबंध। **(8) एएफ/1, एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-मोबस्टोर**-50-25-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-मोबाइल आर एक्सेसरीज कियोस्क)**, मोबाइल आर एक्सेसरीज कियोस्क बाईसाउ, जेलजोतोन आर चालाव-बानाव बाखरा अनुबंध। **(9) एएफ /2, एमएसएस-एएसएन-डीयूएमके-मोबस्टोर**-41-25-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-मोबाइल आर एक्सेसरीज कियोस्क)**, दुमका रेलवे स्टेशन रे मोबाइल आर ओना सांव जोड़ाव एक्सेसरीज बाईसाउ आर चालाव-बानाव। **(10) एजी/1, एमएसएस-एएसएन-बीएसकेएच-पीएसकेएसके**-175-26-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-पूजा जिनिस कियोस्क)**, बासुकीनाथ स्टेशन रे पूजा जिनिस कियोस्क बाईसाउ चालाव-बानाव लागित् अनुबंध। **(11) एएच/1, एमएसएस-एएसएन-आरएनजी-एसटीजीईएन**-149-26- **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक-जनरल)**, रानीगंज स्टेशन रे रिटेल स्टोर बाईसाउ आर चालाव-बानाव लागित् अनुबंध (क्षेत्रफल 150 वर्गफुट)। **(12) एएच/2, एमएसएस-एएसएन-जेएसएमई-एसटीजीईएन**-169-26-1 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल)**, जसीडीह रेलवे स्टेशन रेयाक् नावां सर्कुलेटिंग एरिया रे 03 बोछोर सोमोय लागित् रिटेल स्टोर बाईसाउ, चालाव-बानाव आर जेलजोतोन। **(13) एएच/3, एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एसटीजीईएन**-137-26-2 **(एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल)**, दुर्गापुर रेलवे स्टेशन रे रिटेल स्टोर बाईसाउ, चालाव-बानाव आर जेलजोतोन।

(ख) ई-नीलामी खोबोर सं. लाउंज-पीएएन-27-1, माहित 12.11.2026

ई-नीलामी कैटलॉग सं.: लाउंज-पीएएन-27-1, नीलामी एहोबोक् रेयाक् तारीक आर सोमोयः 27.11.2026, 14.00 बजे। क्रम सं.: 1, लॉट संख्या/नीलामी रेयाक् कैटेगरीः पीएनयू-एएसएन-पीएएन-डब्ल्यूआरएल-46-25-1 (पे एंड यूज-लाउंजेस/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लॉक रूम), किसिमः प्रीमियम लाउंज चिरहाय, चालाव-बानाव आर जेलजोतोन लागित् अनुबंध। **स्टेशनको/जायगाको रेयाक् जुतुमः** पानागढ़ रेलवे स्टेशन।

**(ग) ई-नीलामी खोबोर सं. एएसएन-एडीवीटी-27-11, माहित

उगते सूर्य को श्रद्धालुओं ने अर्घ्य दिया नगर क्षेत्रों में उमड़ी श्रद्धालुओं का भीड़



संवाददाता। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर रविवार की संध्या नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला. छठ व्रतियों ने विभिन्न तालाबों, पोखरों एवं जलाशयों के घाटों पर पहुंचकर अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को पहला ब अर्पित किया. इस दौरान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी.सुबह से ही छठ घाटों की साफ-सफाई और सजावट को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में थीं. घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था. जगह-जगह रोशनी की व्यवस्था की गई थी. शाम होते ही व्रती महिलाएं पारंपरिक छठ गीत गाते हुए सिर पर पूजा सामग्री से भरे दउरा और सूप लेकर घाटों पर पहुंचीं. पूरे वातावरण में छठी मैया के गीतों और भगवान सूर्य की जयकार से भक्तिमय माहौल बना रहा.श्रद्धालुओं ने नदी, तालाब और पोखरों के पानी में खड़े होकर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु और स्वस्थ जीवन की कामना के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया.नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी छठ महापर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला. छोटे-बड़े सभी घाटों पर लोगों की अच्छी खासी भीड़ रही.इस दौरान घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई और रोशनी की व्यवस्था की गई थी. स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सहयोग किया.छठ पूजा के पहले अर्घ्य के संपन्न होने के बाद अब श्रद्धालुओं को दूसरे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने का इंतजार है. सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय लोक आस्था का यह महापर्व विधि-विधान के साथ संपन्न हो गया.

महादेवगंज में आज से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता का आयोजन

साहिबगंज। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर साहिबगंज सदर प्रखंड के महादेवगंज स्थित गौशाला मेला परिसर में 17 एवं 18 नवंबर को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा.प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ पड़ोसी देश नेपाल के नामी पहलवान अपनी कुश्ती कला,ताकत और पारंपरिक दांव-पेंच का शानदार प्रदर्शन करेंगे. प्रतियोगिता प्रतिदिन दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक आयोजित होगी.इस संबंध में झारखंड प्रदेश यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में पंजाब,हरियाणा, दिल्ली,बिहार,ओडिशा और झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों के चर्चित पहलवानों को आमंत्रित किया गया है.इसके अलावा नेपाल के नामी पहलवान भी प्रतियोगिता में शामिल होकर अपना दमखम दिखाएंगे.आयोजन की तैयारियों को लेकर बजरंगी प्रसाद यादव ने गौशाला मेला परिसर पहुंचकर आयोजन समिति की ओर से की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया.उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी पहलवानों के ठहरने,भोजन और पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है,ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो.उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को बाबू अर्जुन अवार्ड,नकद पुरस्कार,आकर्षक ट्रॉफी एवं गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा.इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कुश्ती कला को बढ़ावा देना,ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा युवाओं में खेल के प्रति रुचि और उत्साह पैदा करना है.बजरंगी प्रसाद यादव ने क्षेत्र के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों,समाजसेवियों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से आपसी राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर इस खेल आयोजन में शामिल होने की अपील की.देश-विदेश से आए पहलवानों का उत्साहवर्धन करने और अंतरराष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता का आनंद उठाने का आग्रह किया.मौके पर राजेश यादव, दारा सिंह यादव,बृज मोहन यादव, कृष्णा शर्मा,निलेश यादव सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य एवं स्थानीय लोग मौजूद थे.

गोगना गांव में बदला मांझी बाबा का नेतृत्व, शंभू मरांडी की जगह राजेन मुर्मू को मिली जिम्मेदारी



मैथन/जामताड़ा। डीवीसी मैथन के सोलर प्रोजेक्ट को लेकर उपजे विवाद के बीच गोगना गांव में आदिवासी समाज ने मांझी बाबा के नेतृत्व में बदलाव किया है। गांव में आयोजित बैठक में आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार शंभू मरांडी को मांझी बाबा के पद से हटाकर राजेन मुर्मू को नया मांझी बाबा चुना गया। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी और मैथन थाना प्रभारी सहित आदिवासी समाज के लोग मौजूद रहे।डीवीसी विस्थापित समिति के अध्यक्ष अकबर अंसारी ने बताया कि कुछ दिन पहले गोगना गांव में डीवीसी की ओर से सोलर परियोजना स्थापित करने की पहल की गई थी। इसमें कुछ जनप्रतिनिधियों और तत्कालीन मांझी बाबा की भूमिका को लेकर ग्रामीणों एवं विस्थापितों में नाराजगी थी। इसी के विरोध में ग्रामीणों ने आवाज उठाई थी।अकबर अंसारी ने विस्थापित क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों से आंदोलन में साथ देने और डीवीसी के हितों की पैरवी करने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो जनप्रतिनिधि विस्थापितों के अधिकारों की लड़ाई में साथ देंगे, पूरा विस्थापित समाज भविष्य में उनके साथ खड़ा रहेगा।

जामताड़ा-मिहिजाम और चित्तरंजन के छठ घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



जामताड़ा। लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा जामताड़ा, मिहिजाम, चित्तरंजन एवं आसपास के इलाकों में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। छठ घाट पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पूजा का भव्य आयोजन किया गया। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।विभिन्न छठ पूजा घाट समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। सभी घाटों में व्रतियों के बीच दूध, अगरबत्ती, फूल, आम के पत्ते और पूजन सामग्री निःशुल्क बांटी गई। वहीं श्रद्धालुओं के लिए कॉफी की व्यवस्था भी रही।घाट पर आकर्षक विद्युत सज्जा, प्रकाश, ध्वनि प्रसारण, साफ-सफाई, जल निकासी और पार्किंग की व्यवस्था की गई थी। चित्तरंजन में बुजुर्गों एवं दिव्यांगों की सुविधा के साथ नदी पार करने के लिए अस्थायी पुल भी बनाया गया। सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था में प्रशासन का काफी सहयोग रहा। समितियो ने भविष्य में सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और पार्किंग व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत बताई। श्रद्धा, सेवा और सामूहिक सहयोग से संपन्न आयोजन ने पूरे क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द और एकता का संदेश दिया।

फतेहपुर में चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन



फतेहपुर (जामताड़ा)। लोक आस्था के महान पर्व छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र में पूरे धूमधाम, श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान क्षेत्र के सभी छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। छठ महापर्व की शुरुआत नहाय खाय के साथ हुई थी, जिसमें व्रतियों ने शुद्धता के साथ व्रत का संकल्प लिया। दूसरे दिन खरना में खीर-रोटी का प्रसाद ग्रहण किया गया। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य का मुख्य आकर्षण रहा, जहां डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए सैकड़ों व्रती महिलाओं ने पारंपरिक पीले वस्त्र, सूप, ठेकुआ, नारियल और फल से सजे बांस की दौरी लेकर घाट पहुंचीं। चौथे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद चार दिवसीय व्रत का समापन हुआ। फतेहपुर के प्रमुख छठ घाटों पर सुबह से ही भजन-कीर्तन और छठ गीतों की धुन सुनाई दी। छठ महापर्व के सफल समापन के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को बधाई दी और अगले साल फिर से सूर्य देव के दर्शन की कामना की।

बिरसा मुंडा के आदर्शों से प्रेरणा लेकर स्वर्णिम झारखंड के निर्माण में योगदान दें : डीसी

संताल एक्सप्रेस



गोड्डा। झारखंड राज्य स्थापना दिवस एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर रविवार को जिला मुख्यालय के कदबा टोला में माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सहित जिले के वरीय पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। साथ ही उनके अदम्य साहस, संघर्ष, त्याग एवं बलिदान को याद किया। इस अवसर पर उपायुक्त लोकेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने जिलेवासियों को झारखंड राज्य स्थापना दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और सामाजिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ आदिवासी समाज के अधिकारों, सांस्कृतिक पहचान एवं स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। अन्याय के विरुद्ध उनका संघर्ष आज भी समाज को एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए खड़े होने की प्रेरणा देता है।झारखंड के सर्वांगीण विकास में जनभागीदारी जरूरी

उपायुक्त ने कहा कि जिस उद्देश्य और संकल्प के साथ झारखंड राज्य का गठन हुआ था, उसे पूरा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक समरसता और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने जिलेवासियों से भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों एवं संघर्षों से प्रेरणा लेकर एक सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।उन्होंने कहा कि आपसी सहयोग, समन्वय, सकारात्मक सोच और जनभागीदारी से ही झारखंड को स्वर्णिम राज्य बनाया जा सकता है। प्रत्येक नागरिक अपने स्तर से योगदान देकर राज्य के विकास को नई दिशा दे सकता है।

कार्यक्रम के माध्यम से धरती आबा के विचारों एवं आदर्शों को आत्मसात करते हुए उनके सपनों के अनुरूप सशक्त, समृद्ध एवं विकसित झारखंड के निर्माण का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर अपर समाहर्ता इन्दर कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी वैद्यनाथ उरांव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज, पुलिस उपाधीक्षक जेपीएन चौधरी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ओमप्रकाश यादव, जिला योजना पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी फैजान सरवर, जिला कल्याण पदाधिकारी सुधीर प्रसाद चौधरी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गोड्डा में भक्तिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ चार दिवसीय महापर्व छठ

संताल एक्सप्रेस



गोड्डा। लोक आस्था और सूर्योपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ को लेकर जिला मुख्यालय में उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। महापर्व के अवसर पर शहर के विभिन्न छठ घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। रंग-बिरंगी रोशनी, भव्य विद्युत सज्जा और पूजा की विशेष तैयारियों से पूरा शहर छठमय नजर आया। शाम होते ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी और पूरा वातावरण छठी मैया के जयकारों तथा भक्तिमय गीतों से गूंज उठा।जिला मुख्यालय के मूलर्स टैंक, राज कचहरी तालाब, शिवपुर स्थित शिवगंगा तालाब, गोढ़ी तालाब, सरकंडा तालाब, हनुमंत अखाड़ा लोहिया नगर तालाब, विद्यापति घाट कझिया, पुल घाट कझिया और कान्हवारा घाट सहित विभिन्न छठ घाटों पर आकर्षक सजावट की गई थी। घाटों को रोशनी से सजाने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और पूजा-अर्चना के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे।मूलर्स टैंक में की गई भव्य सजावट श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसमें भोजपुरी गायक टुनटुन यादव ने छठ के पारंपरिक और लोकप्रिय गीतों के साथ अन्य धार्मिक गीतों की प्रस्तुति दी। उनकी गायकी ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। छठ गीतों की मधुर धुनों से पूरा घाट गूंजता रहा और देर तक भक्तिमय माहौल बना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।इधर, महापर्व के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। शहर के सभी प्रमुख छठ घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इस क्रम में उपायुक्त लोकेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज ने विभिन्न छठ घाटों का दौरा किया। जिला प्रशासन की मुस्तैदी और विभिन्न पूजा समितियों की तैयारियों के बीच गोड्डा में छठ महापर्व का आयोजन भक्तिमय एवं उत्सवी माहौल में देखने को मिला। भव्य सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम ने पर्व की रौनक को और बढ़ा दिया।

नतरामपुर में छठ पूजा के अवसर पर दो दिवसीय मेले का आयोजन



संताल एक्सप्रेस

हनवारा प्रतिनिधि । महागामा प्रखंड के नरोत्तमपुर गांव में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। मेले को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह और उमंग का माहौल बना हुआ है। छठ पूजा के अवसर पर भगवान भास्कर की आराधना करने के लिए आसपास के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नतरामपुर पहुंच रहे हैं। मेला कमेटी के सदस्यों ने बताया कि छठ पूजा के पावन अवसर पर दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। मेले के दूसरे दिन यानी 17 नवंबर को भव्य कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इस दंगल में बिहार, बंगाल, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश के नामी पहलवान अपनी कुश्ती कला और दमखम का प्रदर्शन करने पहुंच रहे हैं। विभिन्न रा'यों से आने वाले पहलवानों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।कुश्ती दंगल को लेकर खेल प्रेमियों और ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। मेला कमेटी द्वारा आयोजन को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। कमेटी ने आसपास के गांवों के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मेले का आनंद लेने और पहलवानों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।दो दिवसीय इस मेले के आयोजन से नरोत्तमपुर गांव में उत्सवी माहौल बना हुआ है। छठ पूजा की आस्था, मेले की रौनक और कुश्ती दंगल का रोमांच लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

सामाजिक सकारात्मक बदलाव को लेकर कार्यशाला



संवाददाता नाला (जामताड़ा) । पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत माड़ालो पंचायत में आईसीआरडब्ल्यू की मंथन परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समानता और सकारात्मक सामाजिक बदलाव को प्रोत्साहित करना था। इसमें सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों तथा पंचायत स्तरीय कार्यसमिति के सदस्यों ने भाग लिया।कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख पारस वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित लोगों के साथ लैंगिक समानता, सामाजिक भेदभाव, समान अधिकार और सकारात्मक सोच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि समाज में समानता और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। इसके लिए सामाजिक भेदभाव को दूर कर सभी को समान अवसर और सम्मान देना होगा।कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक समानता और सकारात्मक सोच के महत्व को समझाया गया। साथ ही सामाजिक कुरीतियों एवं भेदभाव को दूर करने में पंचायत स्तर पर सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया गया।इस अवसर पर मुखिया हीरामुणि मुर्मू, पंचायत के वार्ड सदस्य, आंगनबाड़ी सेविकाएं, जल सहिया, बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा परियोजना से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें तापस समाद्दार, वीसी रोहित बाउरी, बापी राय, राजीव राय, हराधन मरांडी, मांझी हड़ाम एवं हराधन मुर्मू सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

छठ घाट पर चेन छिनतई से मचा हड़कंप

संताल एक्सप्रेस

बरहरवा । छठ महापर्व के दौरान जहां एक ओर श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने में जुटे थे. वहीं दूसरी ओर अपराधियों ने भीड़ का फायदा उठाकर महिलाओं को अपना निशाना बना लिया. बरहरवा थाना क्षेत्र के कलपोखर शिव मंदिर के समीप स्थित छठ घाट पर सोमवार की सुबह तीन महिलाओं के गले से सोने की चेन छिनतई किए जाने का मामला सामने आया है. घटना के बाद छठ घाट पर पहुंचे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है.

इस संबंध में तीन अलग-अलग पीड़ित परिवारों की ओर से बरहरवा थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है.

प्राप्त आवेदनों के अनुसार पहली घटना में बरहरवा निवासी विशाल कुमार भगत ने शिकायत की है कि उनकी माता वंदना देवी सोमवार की सुबह करीब छह बजे छठ महापर्व के प्रातःकालीन अर्घ्य में शामिल होने के लिए कलपोखर शिव मंदिर के समीप स्थित छठ घाट गई थीं. इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके गले से करीब 15 ग्राम वजन की सोने की चेन खींच ली और मौके से फरार हो गया.वहीं दूसरी शिकायत में पंकज कुमार भगत ने बताया कि उनकी माता विजय लक्ष्मी देवी सोमवार की सुबह करीब 5:45 बजे छठ घाट पर अर्घ्य देने पहुंची थीं. इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने भीड़ का फायदा उठाकर उनके गले से करीब 14 ग्राम वजन की सोने की चेन छीन ली और फरार हो गया.तीसरी शिकायत कटिहार में स्टेशन मैनेजर के पद पर कार्यरत संजय उपाध्याय की ओर से की गई है.उन्होंने अपने आवेदन में बताया कि उनकी 75 वर्षीय माता माया उपाध्याय सोमवार की सुबह करीब 5:30 बजे बरहरवा रेलवे कॉलोनी स्थित कलपोखर छठ घाट पर मौजूद थीं.इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने भीड़ का फायदा उठाकर उनके गले से लगभग 15 ग्राम वजन की सोने की चेन खींच ली और मौके से फरार हो गया.तीनों पीड़ित परिवारों ने अपनी शिकायत में घटना को दुखद और चिंताजनक बताते हुए पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच करने, अज्ञात आरोपियों की पहचान करने तथा छीनी गई सोने की चेन बरामद करने की मांग की है. आवेदनों की प्रतिलिपि साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक एवं बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को भी भेजी गई है.छठ जैसे पवित्र और आस्था से जुड़े पर्व के दौरान एक ही घाट पर तीन महिलाओं को निशाना बनाए जाने की शिकायत ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं.अब देखना होगा कि पुलिस जांच में इन घटनाओं के आरोपियों तक कब पहुंचती है और पीड़ित परिवारों को उनकी खोई हुई संपत्ति वापस मिल पाती है या नहीं.

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित



संवाददाता नाला (जामताड़ा)। झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा के तत्वावधान में प्राधिकार के सचिव पवन कुमार के आदेशानुसार एवं मार्गदर्शन पर रविवार को नाला प्रखंड अंतर्गत ग्राम गेड़िया के मिर्गीजोड़िया टोला में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में प्राधिकार के पैरा लीगल वॉलंटियर अमित कुमार सिंह एवं यदुनाथ सिंह ने ग्रामीणों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र व्यक्ति बिना किसी आर्थिक बोझ के कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।शिविर के दौरान ग्रामीणों को बाल विवाह की रोकथाम, बाल श्रम, बाल शोषण, नशा उन्मूलन एवं साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।मौके पर रवीलाल हेम्ब्रम, आलामुनी मुर्मू,लक्ष्मी कुमारी, शुशील टुडू आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का 18 नवंबर को सभी बूथों पर लगेगा कैंप

जामताड़ा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक्र)-2026 के तहत पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का एक और अवसर मिलने जा रहा है। इसके लिए 18 नवंबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक 'एक और अवसर कैंप' आयोजित किया जाएगा।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आलोक कुमार ने बताया कि कैंप में बीएलओ, बीएलए-2 और चुनाव पाठशाला की छठी बैठक भी होगी। इसमें एएसडीडी सूची में शामिल वैसे पात्र मतदाताओं की पहचान की जाएगी, जो अब तक प्रपत्र-6 नहीं भर सके हैं। उन्हें आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन का अवसर दिया जाएगा।इसके अलावा अपात्र व्यक्तियों की सूची प्रपत्र-3 में प्रकाशित कर सुझाव और आपत्तियां भी आमंत्रित की जाएंगी। उपायुक्त ने राजनीतिक दलों से अपने बीएलए-2 की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित कराने की अपील की, ताकि कोई भी योग्य नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व



महागामा। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। सुबह की पहली किरण के साथ ही नदी, तालाब और विभिन्न जलाशयों के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भगवान सूर्य के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।महापर्व के अंतिम दिन सोमवार की अहले सुबह से ही व्रती महिलाएं और पुरुष पूजन सामग्री के साथ छठ घाटों की ओर रवाना होने लगे। सिर पर सूप और दउरा में फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना सहित अन्य प्रसाद लेकर श्रद्धालु घाटों पर पहुंचे। इसके बाद व्रतियों ने जल में खड़े होकर उदीयमान भगवान सूर्य के दर्शन की प्रतीक्षा की। सूर्यदेव के उदित होते ही पूरे विधि-विधान और पारंपरिक तरीके से अर्घ्य अर्पित किया गया। इस दौरान व्रतियों ने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और संतान की दीर्घायु की कामना की।इससे पूर्व रविवार की शाम व्रतियों ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य अर्पित किया था। सोमवार की सुबह दूसरे अर्घ्य के साथ ही 36 घंटे के निर्जला उपवास सहित चार दिवसीय कठिन अनुष्ठान का समापन हुआ। अर्घ्य के दौरान घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। परिवार के सदस्य भी व्रतियों के साथ घाटों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना में शामिल हुए वहि प्रखंड के विश्वासखानी, नरोत्तमपुर, कोयला, हनवारा समेत विभिन्न गांवों में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने अपने स्तर से छठ घाटों की साफ-सफाई और सजावट की व्यवस्था की थी। कई घाटों पर आकर्षक सजावट के साथ रोशनी की व्यवस्था भी की गई थी। वहीं, घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने पर्व की भव्यता और सामाजिक एकजुटता की तस्वीर पेश की। महापर्व को लेकर बाजारों में भी पिछले कई दिनों से रौनक बनी हुई थी। फल, नारियल, गन्ना, सूप और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही। पर्व के दौरान सामाजिक सहयोग, आपसी भाईचारे और सामूहिक सहभागिता का भी अनूठा दृश्य देखने को मिला।इधर, पर्व के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने में स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन की सक्रियता देखने को मिली। लोगों के आपसी सहयोग से पूरे प्रखंड क्षेत्र में छठ पूजा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। सुबह अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रतियों ने विधि-विधान से पूजा पूरी की और घर पहुंचकर पारण किया। इसी के साथ चार दिनों तक चलने वाला लोक आस्था का महापर्व संपन्न हो गया।

नाला में छठ महापर्व का समापन



संवाददाता नाला(जामताड़ा)। लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को नाला प्रखंड क्षेत्र में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा एवं भक्तिभाव से संपन्न हो गया। इस दौरान व्रतियों ने कठोर नियम-निष्ठा के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर भगवान सूर्य और छठी मईया की पूजा-अर्चना की। सुबह होते ही विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसके अलावा श्रीपुर तालाब में दंडाधिकारी के रूप में बलराम मंडल प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी तथा गेड़िया छठ तलाब में प्रवीण कुमार प्रतिनियुक्त थे इस अवसर पर डॉ. नदिया नंद मंडल, महेश कपूर, कृष्णेंदु साधु, प्राचार्य उत्तम कुमार मंडल, राधाबिनोद मंडल, सीटू सिंह, शिव कुमार, गिरीधारी ठाकुर,अद्वैत्य मंडल, पंचायत समिति सदस्य गुड़िया देवी, राजेंद्र डोकानिया,तारक नाथ मंडल सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

करमाटांड़ में जेएलकेएम ने फूंका संगठन विस्तार का बिगुल

जामताड़ा। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने करमाटांड़ प्रखंड में संगठनात्मक गतिविधियों को धार देने के लिए नई कमिटी गठित की है। सोमवार को जिलाध्यक्ष राजाराम उर्फ मनतोष कुमार महतो ने पदाधिकारियों की सूची जारी करते हुए विभिन्न नेताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपीं।नई टीम में अर्जुन मंडल को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया है। गौतम मंडल, संतोष रजक, नागेश्वर मंडल, विष्णु मंडल और हरिल मंडल उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं मंजीत मंडल, गंदू मंडल एवं संजय मंडल को महासचिव की जिम्मेदारी मिली है। मुकेश मंडल और राजेश भंडारी वरीय उपाध्यक्ष होंगे।इसके अलावा सात सचिव, चार मीडिया प्रभारी, कृष्णा मंडल को प्रवक्ता तथा नौ सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।जिलाध्यक्ष महतो ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचायत से बूथ स्तर तक संगठन की पकड़ मजबूत करना लक्ष्य है। उन्होंने संकेत दिया कि कमिटी विस्तार की अगली सूची भी जल्द जारी होगी।

लोक आस्था का महापर्व छठ का समापन



करमाटांड़। प्रखंड क्षेत्र में लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव के वातावरण में संपन्न हो गया। इस अवसर पर पूरे प्रखंड क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।करमाटांड़ मुख्य बाजार, छत तलाक, दुधनी, ताराबहाल, सकलपुर, विष्णुडीह, मोहनपुर, ढाकोली, तेतुलबांध सहित दर्जनों गांवों में छठ व्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान भास्कर और छठी मैया की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और स्वस्थ जीवन की कामना की।वहीं, करमाटांड़ मुख्य बाजार में छठ पूजा के अवसर पर फ्रेंड्स क्लब की ओर से विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब के सदस्यों ने श्रद्धालुओं एवं व्रतियों के बीच महाप्रसाद के रूप में ठेकुआ का वितरण किया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चाय का भी वितरण किया गया। क्लब के इस प्रयास की लोगों ने सराहना की। महापर्व के समापन के साथ ही पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। चार दिनों तक चले इस कठिन अनुष्ठान के सफल समापन पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा।

संतुलित और अपेक्षित विकास का सपना अभी भी अधूरा



- अशोक सिंह

झारखंड राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूरे हो चुके हैं। झारखंड युवा हो गया। युवा झारखंड का सपना भी युवा है लेकिन उसके अंदर की बेचैनियां भी ठीक वैसे ही है जैसे युवावस्था में कोई युवक अपने भविष्य और करियर को लेकर अंदर से चिंतित व बेचैन रहता है। अपने नये सपने, नये लक्ष्य को अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जल्दी से जल्दी पाना चाहता है। किन्तु परिस्थितियां उसके अनुकूल नहीं होती और उसके विकास की गति अवरुद्ध हो जाती है। ठीक यही बात झारखंड के साथ भी भी लागू है। जो तेजी से आगे बढ़ाना तो चाहता है लेकिन राजनीतिक स्तर पर अपनी आंतरिक बाधाओं व अंतर्विरोधों से जूझता हुआ वह अपने विकास को अपेक्षित गति नहीं दे पा रहा है। इसलिए जितना और जिस स्तर पर विकास इन 26 सालों में अब तक होना चाहिए था, वह अभी भी लक्ष्य से दूरी दिखता है।

ऐसा भी नहीं है कि 26 वर्षों में झारखंड का विकास हुआ ही नहीं। राज्य में विकास तो हुआ लेकिन समग्र संतुलित व अपेक्षित विकास का सपना अभी अधूरा है। जितना और जैसा विकास हुआ भी है वह प्रारंभ के एक डेढ़ दशकों में ही हो जाना चाहिए था लेकिन यहां तक आने में उसे 26 साल लग गए। गौरतलब यह भी है कि इन 26 वर्षों में जो भी और जितना भी विकास दिख रहा है वह सिर्फ वर्तमान सरकार या किसी एक सरकार की देन नहीं है। वर्तमान से लेकर पूर्ववर्ती सरकार, चाहे नये नये झारखंड में बाबूलाल मरांडी की सरकार रही हो या फिर अर्जुन मुंडा और रघुवर दास से लेकर वर्तमान में हेमंत सरकार तक का भी अपने-अपने समय में अपने-अपने तरीके से योगदान रहा है। यह अलग बात है कि वर्तमान सरकार हो या पूर्ववर्ती सरकारी सबकी अपनी-अपनी प्राथमिकता रही हैं। किसी के कार्यकाल में विकास की गति तेज तो किसी की धीमी रही होगी बावजूद झारखंड की तस्वीर बदली है, जिससे पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता।

अब जहां तक विभिन्न क्षेत्रों में झारखंड के विकास और उसके विविध पहलुओं को समग्रता में देखने परखने व समझने समझाने की बात है तो उसकी व्यापक व सूक्ष्म पड़ताल जरूरी है। तभी हम तथ्य कथ्य और सत्य की गहराई तक पहुंच सकते हैं।

गौरतलब है कि झारखंड राज्य स्थापना के बाद से पूरे राज्य विशेष कर संताल परगना क्षेत्र में विकास को देखें परखें तो पिछले दो ढाई दशकों में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक में सड़कों का जाल बिछा है। कई प्रमुख सड़कें फोरलेन में तब्दील हुई हैं। रोड से लेकर रेल कनेक्टिविटी बढ़ी है। देवघर एयरपोर्ट से देश की राजधानी दिल्ली से लेकर कई अन्य राज्यों के लिए उड़ान सुविधाओं का विस्तार हुआ है। बिजली आपूर्ति में भी बहुत हद तक सुधार देखा जा रहा है। वर्तमान सरकार की 200 बिजली बिल फ्री जैसी योजना से गरीब व मध्यम वर्ग परिवार को राहत मिली है। पेयजल सुविधा भी बढ़ी हैं लेकिन अभी भी कई ग्रामीण इलाके ऐसे हैं जहां पर्याप्त स्वच्छ पेयजल की सहज उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाई है। घर-घर नल जल योजना अभी भी पूरी तरह धरातल पर नहीं उतर पाई है।

सहायक अध्यापक/शिक्षकों की बहाली अभी झारखंड में हुई लेकिन वह संख्या प्राप्त नहीं है। लंबी प्रतीक्षा के उपरांत अभी हाल में वर्षों बाद जेटेट परीक्षा आयोजित हुई। शिक्षा विभाग में प्रखंड स्तर पर अवर शिक्षा सेवा से जुड़े बीईईओ की संख्या बहुत कम है। ज्यादातर सेवानिवृत हो चुके हैं। बहाली नहीं हो रही है। समग्र शिक्षा अभियान की बात करें तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नाम पर सिर्फ रिपोर्टिंग और आंकड़ों में उलझ कर रह गया है। हां इधर बालिका शिक्षा के विकास में तेजी से बदलाव हुआ है। मैट्रिक इंटर परीक्षाओं के रिजल्ट में सुधार हुआ है, जिससे लड़कियां बाजी मारती दिख रही हैं।

बात शिक्षा के बाद रोजगार और सरकारी नौकरियों की करें तो पिछले दो दशकों में स्नातक और स्नातकोत्तर एवं अन्य प्रोफेशनल डिग्रीधारी युवाओं की संख्या बढ़ी है लेकिन उस अनुपात में सरकार सरकारी या अन्य क्षेत्रों में पर्याप्त नौकरियों नहीं दे पा रही हैं। जेपीएससी और सीजीएल परीक्षाओं में गड़बड़ी और सरकार पर नौकरियां बेचने के लगे आरोपों और उसको लेकर अभी कुछ महीने पहले हुए व्यापक छात्र आंदोलनों ने सरकार पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। कौशल विकास कार्यक्रम के सारथी एवं अन्य संबंधित योजनाओं के माध्यम से एक तरफ हजारों युवक युवतियों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित कर हुनरमंद बनाया जा रहा है लेकिन दूसरी तरफ उसका प्लेसमेंट नहीं हो पा रहा है। सरकार का श्रम एवं नियोजन विभाग हर महीने दो महीने में रोजगार मेला लगाकर निजी क्षेत्र में रोजगार देने का आंकड़ा दिख रही है लेकिन सच्चाई यह है कि प्लेसमेंट एजेंसियां टिकाऊ और स्थाई रोजगार सुनिश्चित नहीं कर पा रही है। बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों का पलायन भी जारी है।

वर्तमान सरकार की चर्चित व महत्वाकांक्षी योजना मईंया सम्मान योजना सम्मान से स्वावलंबन तक नहीं पहुंच पा रही है। आम आदमी में मुक्तखोरी की आदतों ने उन्हें उन महत्वपूर्ण योजनाओं से भी दूर कर दिया है जो सेल्फ सस्टेनेबल विकास का आधार बन सकती हैं।

कृषि क्षेत्र की बात करें तो सरकार कृषि पशुपालन एवं मत्स्य पालन जैसे क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं लेकिन सच यह है कि ग्रामीण क्षेत्र में लगभग दो तिहाई लोग खेती किसानी के काम से दूर हो चुके हैं और जो हैं भी वह नई तकनीक से दूर अपने तरीके से खेती कर रहे है जो लक्ष्य के अनुरूप उत्पादकता का आधार नहीं बन पा रहे हैं। खाद्य-सुरक्षा वितरण योजना में पीडीएस दुकानदारों की चोरी लाख कोशिश के बाद भी नहीं रुक रही है। बस उनके तरीके बदल गए हैं। हां आजीविका मिशन के तहत जेएसएलपीएस का प्रयास ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में आजीविका और स्वरोजगार को लेकर किए जा रहे कार्य बहुत हद तक सराहनीय व सफल रहा है।

शहरी क्षेत्र के विकास की बात करें तो झारखंड में शहरीकरण तेजी से बड़ा है लेकिन उसके हिसाब से गुणवत्तापूर्ण नगरीय सुविधाएं व सेवाएं सरकार बहाल नहीं हो पा रही हैं। लंबे अंतराल के बाद नगर निकाय चुनाव से जो आस जगी थी वह भी आम लोगों की निराशा में बदल चुकी है।

पंचायती राज व्यवस्था की बात करें तो अफसरशाही और सिस्टम ने उसे इतना निष्प्रभावी बना दिया है कि मुखिया जी सिर्फ मुखियागिरी करने तक सीमित रह गए हैं।

विकास में उनकी भूमिका हाशिए पर दिख रही है। पीसीसी, पुल पुलिया नाली निर्माण से अभी भी वे ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं। लंबी प्रतीक्षा के बाद यहां पेसा नियमावली बनाकर लागू तो हुई, किंतु ग्राम सभाओं के स्तर पर अभी भी वह बहुत प्रभावित नहीं दिख रही है।

अब एक नजर झारखंड के शासन प्रशासन और यहां की कानून व्यवस्था पर डालें तो आम लोगों को इसको लेकर घोर निराशा है। पिछले 5-7 वर्षों में सत्ता अपराधी दलालों और भू माफिया का गठजोड़ यहां मजबूत हुआ है। राज्य में अपराधी बेखौफ हुए हैं। क्राइम कंट्रोल में पुलिस प्रशासन विफल रही है। सरकारी विभागों में प्रशासन के अफसर निरंकुश और बेलगाम हुए हैं।

संताल परगना सहित पूरे झारखंड में बालू पत्थर कोयला का अवैध खनन और पासिंग का धंधा नेताओं और पुलिस प्रशासन के संरक्षण में बेरोकटोक तेजी से चल है।

एसपीटी और सीएनटी एक्ट का धड़ल्ले से उलंघन कर भू माफियाओं का सत्ता और अपराधियों के गठजोड़ से जमीन पर अवैध कब्जा और खरीद बिक्री का धंधा यहां खूब फल फूल रहा है। पुलिस के पुलिसिया रवैये से आम आदमी में खौफ है और आक्रोश भी। कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि झारखंड राज्य स्थापना के इन 26 सालों में जहां एक ओर कई क्षेत्रों में झारखंड का विकास कुछ हद तक दिख रहा है और यहां का परिदृश्य भी बदला है।

जनमत शोध संस्थान
पुराना दुमका केवटपाड़ा

संसाधनों की समृद्धि से विकास की चुनौती



- डॉ अनिल ठाकुर

झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखण्ड–तीनों राज्य 15 नवंबर 2000 को अस्तित्व में आए। अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों और सामाजिक आकांक्षाओं के साथ शुरू हुई उनकी यात्रा ने अब 26 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवधि में झारखंड ने खनिज, उद्योग और राजस्व के क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाई है, लेकिन मानव विकास, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सेवाओं में उसकी चुनौतियां अब भी बड़ी हैं। सवाल यह है कि इस साझा शुरुआत के बाद झारखंड विकास की दौड़ में किस पायदान पर खड़ा है?

15 नवंबर झारखंड के लिए केवल एक तारीख नहीं, बल्कि लंबे जनसंघर्ष और पहचान की आकांक्षा का प्रतीक है। इसी दिन वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड राज्य बना। उसी दिन मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से उत्तराखण्ड भी अलग राज्यों के रूप में अस्तित्व में आए। तीनों राज्यों के गठन के पीछे प्रशासन को जनता के करीब लाने, क्षेत्रीय असमानता दूर करने और स्थानीय संसाधनों का लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचाने की उम्मीद थी।

छब्बीस वर्ष बाद इन तीनों राज्यों की तुलना एक उपयोगी कसौटी देती है। इससे यह समझा जा सकता है कि किस राज्य ने अपनी संभावनाओं को किस हद तक अवसरों में बदला और कहां विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक नहीं पहुंच पाया।

संसाधनों की प्रचुरता

झारखंड की सबसे बड़ी पहचान उसके प्राकृतिक संसाधन हैं। कोयला, लौह अयस्क, तांबा, बॉक्साइट, यूरेनियम और अन्य खनिजों की प्रचुरता ने इसे देश के औद्योगिक और ऊर्जा नक्शे पर अहम स्थान दिया है। जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद और रांची जैसे शहर उद्योग, खनन, शिक्षा और प्रशासन के प्रमुख केंद्र हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था में खनन और उससे जुड़े उद्योगों की भूमिका महत्वपूर्ण है।लेकिन संसाधनों की मौजूदगी अपने आप समृद्धि की गारंटी नहीं बनती। असली प्रश्न यह है कि खनिज से प्राप्त आय का कितना



हिस्सा स्थानीय बुनियादी ढांचे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कौशल और रोजगार में निवेश होता है। छत्तीसगढ़ भी खनिज, बिजली और वन-संपदा से समृद्ध है। उसने ऊर्जा उत्पादन और औद्योगिक गतिविधियों में अपनी मजबूत स्थिति बनाई है। वहीं उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था में पर्यटन, जलविद्युत, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का योगदान उल्लेखनीय है। तीनों की तुलना में झारखंड की विशेष चुनौती है।

राज्य बनने के बाद झारखंड की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ा है। सड़क, संचार, बिजली और शहरी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। रांची जैसे शहरों में सेवा क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार की गतिविधियां बढ़ी हैं। खनन और बड़े उद्योग पूंजी-प्रधान क्षेत्र हैं। वे राज्य के राजस्व और उत्पादन में बड़ा योगदान दे सकते हैं, लेकिन हर बार उतने रोजगार नहीं पैदा करते जितने बड़ी आबादी को चाहिए।

मानव विकास– सबसे अहम कसौटी किसी राज्य की प्रगति का सबसे भरोसेमंद पैमाना यह है कि उसके नागरिक कितने स्वस्थ, शिक्षित और सुरक्षित जीवन जी पा रहे हैं। इस कसौटी पर झारखंड की तस्वीर मिश्रित है।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन दूरदराज के इलाकों में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी असमान है। आदिवासी और ग्रामीण आबादी, विशेषकर पहाड़ी तथा वन क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को अस्पताल, विशेषज्ञ चिकित्सक, प्रशिक्षित शिक्षक और नियमित परिवहन तक पहुंचने में कठिनाई होती है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण, एनीमिया, पेयजल और स्वच्छता जैसे मुद्दे कई जिलों में चिंता का विषय बने हुए हैं।

उत्तराखण्ड को शिक्षा और स्वास्थ्य के कुछ संकेतकों में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति का लाभ मिला है। इसका एक कारण उसका अधिक शहरीकरण, बेहतर सड़क संपर्क और कुछ क्षेत्रों में सेवा संस्थानों का सघन नेटवर्क है। लेकिन पहाड़ी जिलों में डॉक्टरों की कमी, दुर्गम गांवों तक पहुंच और स्वास्थ्य सेवाओं का असमान वितरण वहां भी वास्तविक समस्या है। झारखंड में विकास का लाभ सभी क्षेत्रों और समुदायों तक समान रूप से नहीं पहुंचा है। एक ओर औद्योगिक नगर हैं, दूसरी ओर ऐसे गांव भी हैं जहां आजीविका का आधार वर्षा-निर्भर खेती, वन-उत्पाद और मजदूरी है। आदिवासी, दलित, भूमिहीन और दूरस्थ ग्रामीण परिवार अक्सर बहुआयामी गरीबी के अधिक जोखिम में रहते हैं। रोजगार के अवसरों की कमी, जमीन और वनाधिकार से जुड़े प्रश्न तथा बुनियादी सेवाओं की दूरी उनके विकास को प्रभावित करती है।

सड़क, बिजली और डिजिटल पहुंच राज्य गठन के बाद झारखंड में सड़क नेटवर्क, बिजली आपूर्ति और दूरसंचार सुविधाओं का विस्तार हुआ है। कई इलाकों में पहले की तुलना में बाजारों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच आसान हुई है। फिर भी ग्रामीण संपर्क, नियमित बिजली, सुरक्षित पेयजल और इंटरनेट की गुणवत्ता में जिलों के बीच अंतर बना हुआ है। दूरस्थ गांवों में केवल सड़क बना देना पर्याप्त नहीं; उसका सालभर उपयोगी रहना, सार्वजनिक परिवहन मिलना और उससे स्कूल, अस्पताल तथा बाजार तक पहुंच बनना भी जरूरी है। डिजिटल सेवाओं ने सरकारी योजनाओं, बैंकिंग और सूचना तक पहुंच बढ़ाई है, लेकिन इंटरनेट की उपलब्धता, डिजिटल साक्षरता और उपकरणों की कमी कुछ परिवारों को पीछे छोड़ सकती है। इसलिए तकनीक को सेवा का विकल्प नहीं, बल्कि सेवा को बेहतर बनाने का माध्यम माना जाना चाहिए। जहां ऑनलाइन व्यवस्था लागू हो, वहां नागरिकों के लिए सहायता केंद्र और मानवीय विकल्प भी उपलब्ध रहने चाहिए। झारखंड आगे कहां बढ़ सकता है? झारखंड के सामने अवसरों की कमी नहीं है। खनिजों के साथ उसके पास उपजाऊ घाटियां, वन-आधारित उत्पाद, युवा आबादी, औद्योगिक आधार और सांस्कृतिक विविधता है। इन क्षमताओं को एक-दूसरे से जोड़ने वाली नीति राज्य को विकास की अगली सीढ़ी पर ले जा सकती है।

पहला कदम स्थानीय रोजगार को केंद्र में रखना होगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यय नहीं, दीर्घकालीन निवेश माना जाना चाहिए। प्राथमिक स्तर पर बुनियादी पढ़ाई, माध्यमिक शिक्षा में टिकाव, छात्रावास और परिवहन की सुविधा, स्थानीय भाषाओं में आरंभिक शिक्षा तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा।

स्थापना दिवस पर झारखंड के सामने सबसे बड़ा संकल्प यही होना चाहिए–राज्य की धरती से निकली संपदा, राज्य के लोगों के जीवन में अवसर, सम्मान और खुशहाली बनकर लौटे। जब खनिज-समृद्ध जिलों के गांवों में भी अच्छी शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवा, टिकाऊ रोजगार और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध होंगे, तभी कहा जा सकेगा कि झारखंड ने अपनी संभावनाओं को वास्तविक विकास में बदल दिया है।

खनिज संपदा से भरपूर, फ़िर भी विकास से है दूर

15 नवंबर 2000 को झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड एक साथ नए उम्मीद, सपने और आकांक्षाओं के साथ अस्तित्व में आए। जहां तीनों राज्यों के आँखों में एक ही सपना था सर्वांगिक विकास का। अलग पहचान का। स्वतंत्र और निष्पक्ष शासन का। लेकिन वही आज जब इन बीते वर्षों में इन तीनों राज्यों की आपस में तुलना करते है तो पाते है कि इन 26 वर्षों में उत्तराखंड बहुत आगे निकल गया है। वहीं छत्तीसगढ़ बीच में है तो और झारखंड सबसे पीछे है। आकड़ों की माने तो वर्ष 2024-2025 में झारखंड में जहां प्रति व्यक्ति आय ?1,16,663 था वहां छत्तीसगढ़ में ?1,47,361 तो उत्तराखंड में?2,73,921 था। इसी प्रकार बहुआयामी गरीबी झारखंड में 28.81त्न , छत्तीसगढ़ में 11.71त्न तो उत्तराखंड 6.92त्न था। इसी प्रकार साक्षरता के मामले में झारखंड का कुल साक्षरता प्रतिशत 71.4 रहा तो छत्तीसगढ़ का 77.3 तथा उत्तराखंड का8 8 . 3 प्रतिशत रहा। इस दृष्टि से झारखंड का ग्राफ टूटते सपने को दर्शाता है। कहना न होगा देश की लगभग 40 प्रतिशत खनिज संपदा का मालिक है। पत्थर, कोयला, लौह अयस्क, यूरेनियम आदि से भरपूर है बावजूद विकास से दूर है, जो हीनता की भावना को जन्म देती है। मानसिक रूप से अक्षम और बीमार बनाती है। आखिर ऐसा क्यों? समस्याओं से रूबरू होने के बजाय पलायन नीति बनाते है। भ्रष्ट प्रशासनिक एवं अफसरशाही संस्कृति पर नकेल न कसकर वैसे लोगो पर विश्वास जताते है। अपराधी प्रवृत्ति को लोगों को सत्ता के लिए अभिप्रेरित करते है। नतीजा झारखंड की मूल समस्याओं यथा पलायन, विस्थापन,मानव तस्करी, खनिज संपदा का दुरुपयोग सहित कई बातें राज्य को पिछड़ने को मजबूर करती है। लोगों को एक बेहतर जीवन जीने के लिए चुनौती खड़ी करती है। राज्य के लोगों का आत्मविश्वास कमजोर न पड़े जरूरी है नए सिरे से सोचने की, जाति और दलगत भावना से ऊपर उठकर निष्पक्ष और योग्य लोगों के हाथों में बागडोर देने की। स्मार्ट नीति बनाकर उसका मॉनीटरिंग करने की। - **डॉ. विनोद कुमार शर्मा**



विकास यात्रा में झारखंड के बुनियादी ढांचे और शिक्षा में सुधार की जरुरत



संत कुमार घोष

लेकिन प्रति व्यक्ति आय और मानव विकास के पैमानों पर यह उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ से बहुत पीछे है, जबकि संथाल परगना के आदिवासी समाज में शिक्षा व जागरूकता के साथ-साथ पलायन और पहचान के संकट जैसे गहरे बदलाव आए हैं।

26 वर्षों का सफर – उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ की तुलना में कहाँ खड़ा है झारखंड?

15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड एक स्वतंत्र राज्य बना। इसी महीने जन्मे दो अन्य राज्य–छत्तीसगढ़ (1 नवंबर) और उत्तराखंड (9 नवंबर)–भी अपने 26 वर्ष पूरे कर रहे हैं। तीनों राज्यों के गठन के पीछे क्षेत्रीय अस्मिता और तीव्र विकास की आकांक्षा थी। खनिज संपदा के मामले में झारखंड इन दोनों राज्यों से कहीं अधिक समृद्ध है, लेकिन ढाई दशक से अधिक समय बीतने के बाद तुलनात्मक आंकड़े एक मिला-जुला और चिंतन करने वाला परिदृश्य देखने को मिलता है।

* आर्थिक विकास और प्रति व्यक्ति आय–

आर्थिक मोर्चे पर उत्तराखंड ने पर्यटन, फार्मा और सेवा क्षेत्र के दम पर सबसे तेज छलांग लगाई है। छत्तीसगढ़ ने भी कृषि (धान का कटोरा) और औद्योगिक नीतियों में स्थिरता दिखाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। इसके विपरीत, झारखंड देश के कुल खनिज भंडार का लगभग 40त्न हिस्सा रखने के बावजूद प्रति व्यक्ति आय (क्कद्गह्ट ष्टड्डश्चद्बह्लड्ड ढ्ढठ्ठष्भद्बद्ग) और जीडीपी विकास दर में इन दोनों राज्यों से पीछे है। इसका मुख्य कारण शुरुआती दो दशकों में रही राजनीतिक अस्थिरता और खनिज आधारित उद्योगों से स्थानीय स्तर पर वैल्यू एडिशन (मूल्य संवर्धन) की कमी है।

मानव विकास और स्वास्थ्य–

नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) के अनुसार, झारखंड में गरीबी तेजी से घटी जरूर है, लेकिन यह आज भी देश के सबसे गरीब राज्यों में शामिल है। उत्तराखंड ने साक्षरता, मातृ-शिशु मृत्यु दर और स्वास्थ्य सुविधाओं में राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है। छत्तीसगढ़ ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) और बुनियादी स्वास्थ्य के क्षेत्र में झारखंड की तुलना में बेहतर मॉडल पेश किया है, जबकि झारखंड आज भी कुपोषण और एनीमिया जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है।

संथाल परगना के संदर्भ में आदिवासी समाज में आए प्रमुख बदलाव

झारखंड की उपराजधानी दुमका सहित देवघर, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़ और जामताड़ा को समेटे हुए संथाल परगना आदिवासी संस्कृति और संघर्षों का केंद्र रहा है। पिछले 26 वर्षों में यहाँ के आदिवासी समाज (विशेषकर संथाल और पहाड़िया जनजाति) में बहुआयामी परिवर्तन देखे गए हैं–

* शिक्षा और महिला सशक्तिकरण–

संथाल परगना में साक्षरता दर में बड़ा उछाल आया है। आश्रम विद्यालयों, एकलव्य मॉडल स्कूलों और मिशनरी संस्थानों के प्रभाव से आदिवासी युवाओं की नई पीढ़ी अब उच्च शिक्षा और सरकारी सेवाओं में अपनी जगह बना रही है। विशेष रूप से आदिवासी महिलाओं में शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ा है और %सखी मंडल% (स्वयं सहायता समूहों) के माध्यम से वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं।

पलायन और आजीविका का संकट–

यह इस क्षेत्र की सबसे बड़ी त्रासदी बनकर उभरा है। सिंचाई सुविधाओं की कमी और परंपरागत कृषि पर निर्भरता के कारण पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा जैसे जिलों से बड़े पैमाने पर आदिवासी युवा रोजगार की तलाश में दिल्ली, केरल और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। पत्थर खदानों और क्रशर उद्योगों के अनियंत्रित विस्तार ने जहाँ कुछ को रोजगार दिया, वहीं पर्यावरण और स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुँचाया है।

जनसांख्यिकीय (Demographic) बदलाव और भूमि की चिंता–

संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (SPT Act) लागू होने के बावजूद, अवैध तरीकों से जमीन के हस्तांतरण और बाहरी बसावट को लेकर आदिवासी समाज में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। जनसंख्या संतुलन में आए बदलावों ने स्थानीय राजनीति और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित किया है, जिससे अपनी भाषा (संथाली/ओल चिकी लिपि), संस्कृति और %मांझी परगना% जैसी पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को बचाने की मुहिम तेज हुई है। 26 वर्षों की इस यात्रा में झारखंड ने अपनी पहचान तो पुख्ता की है, लेकिन उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ की बराबरी करने के लिए उसे खनिज संपदा के साथ-साथ मानव संसाधन और संथाल परगना जैसे पिछड़े क्षेत्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

(अधिवक्ता)

युवा झारखंड : खनिज संपदा अपार, फिर भी विकास में इतना पिछड़ा क्यों?



डॉ सुरेंद्र नाथ तिवारी

कब आयेंगे मेरे तारणहार -संथाल परगना

छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के साथ तुलनात्मक अध्ययन की विशेष जरूरत, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आदिवासी विकास पर अब निर्णायक पहल का समय।

संथाल परगना सड़क की बाट जो रहा –

झारखंड का गठन केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं था, बल्कि वर्षों के संघर्ष, आंदोलन, त्याग और बलिदान का परिणाम था। 15 नवंबर 2000 को झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड तीनों राज्यों का गठन हुआ। आज 26 वर्षों की यात्रा पूरी होने के अवसर पर यह आत्ममंथन आवश्यक है कि समान समय पर अपनी विकास यात्रा शुरू करने वाले इन तीन राज्यों में झारखंड आज किस पायदान पर खड़ा है

झारखंड प्राकृतिक संसाधनों, खनिज संपदा और मानवीय क्षमता से समृद्ध राज्य है। इसके बावजूद ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं की चुनौतियां आज भी गंभीर हैं। विशेषकर आदिम पहाड़िया एवं अन्य जनजातीय समुदायों तक विकास की रोशनी पूरी तरह नहीं पहुंच पाई है।

सड़क नहीं तो विकास की गति कैसे बढ़ेगी–

किसी भी राज्य के विकास का सबसे मजबूत आधार सड़क संपर्क है। सड़क केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार का रास्ता खोलती है।

साहिबगंज से राजधानी रांची तक पहुंचने में आज भी लगभग 10 घंटे लग जाना इस बात का उदाहरण है कि बेहतर परिवहन व्यवस्था की दिशा में अभी बहुत काम किया जाना बाकी है। जब राजधानी तक पहुंचने में इतना समय लगता है, तो दूरदराज के पहाड़ी गांवों के लोगों की कठिनाइयों का सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

स्संथाल परगना के पत्थरों से देश ही नहीं विदेशों में भी चमचमाती सड़कें बनायी जाती है लेकिन यहाँ की स्थिति उतनी ही ख़राब है।

तीन राज्यों की तुलना में झारखंड

नीति आयोग के एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में उत्तराखंड का स्कोर 79, छत्तीसगढ़ का 67 और झारखंड का 62 रहा। वहीं 2024-25 के उपलब्ध प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों में भी झारखंड इन दोनों राज्यों से पीछे दिखाई देता है।

यह स्थिति बताती है कि प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता अपने आप नागरिकों की खुशहाली में परिवर्तित नहीं होती। इसके लिए बेहतर नीतियां, मजबूत प्रशासन और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है।

आदिवासी समाज तक विकास पहुंचाना सबसे बड़ी जिम्मेदारी

आदिम पहाड़िया समुदाय सहित दूरदराज के जनजातीय परिवारों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना राज्य की प्राथमिकता होनी चाहिए। विद्यालयों में शिक्षक, अस्पतालों में चिकित्सक, गांवों तक एंबुलेंस और बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना होगा।

अगले 25 वर्षों का संकल्प और मास्टर प्लान

झारखंड को सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जनजातीय कल्याण और प्रशासनिक जवाबदेही के क्षेत्र में ठोस परिणाम देने होंगे। विकास का मूल्यांकन केवल शहरों से नहीं, बल्कि राज्य के अंतिम गांव और अंतिम व्यक्ति की स्थिति से होना चाहिए।

झारखंड को अब केवल खनिज संपदा से समृद्ध राज्य नहीं, बल्कि जनसुविधाओं और मानवीय विकास से समृद्ध राज्य बनाना होगा। जिस सपने को लेकर अलग राज्य का आंदोलन हुआ था, उस सपने को धरातल पर उतारना ही आंदोलनकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। एक अच्छे स्मार्ट सिटी , अतिक्रमणमुक्त शहर ,अच्छे विकसित ग्राम , फ्लाई ओवर कारखाने, अच्छे सरकारी अस्पताल ये सब कल्पना हैं।विकास की असली पहचान खनिजों की चमक नहीं, बल्कि गांव के गरीब के चेहरे पर मुस्कान है।

झील तालाब छठ घाट पर उमड़ी श्रधालुओं की भीड़ उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ महापर्व



संताल एक्सप्रेस संवाददाता

मधुपुर । चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ विश्वास, त्याग, तपस्या के साथ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया. शहर के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने रविवार को अस्ताचलगामी व सोमवार को उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया. व्रतियों ने पूरी निष्ठा व उत्साह के साथ %नहाय-खाय% और %खरना% का पालन करने के बाद संपूर्ण सृष्टि के जनक सूर्य देवता को अपनी आस्था, समर्पण और विश्वास का अर्घ्य चढ़ाया. चार दिवसीय व्रत के दौरान पूरे शहर में छठ की धूम रही. पराम्परिक छठ गीतों से भक्तिमय माहौल बना रहा. शहर के खलासी मोहल्ला, मीना बाजार, केलाबागान, डंगालपाड़ा, भेड़वा, थाना रोड, पंचमंदिर रोड सहित तमाम गली-मोहल्लों में छठ की पवित्रता के प्रति आस्था प्रदर्शित करते हुए उत्साही युवाओं की टोलियाँ व्रतियों के गुजरने वाले रास्तों की सफाई व बिजली की व्यवस्था में की गई थी. इस बार छठ घाट की भव्यता देखने में बन रही थी. छठ घाटों की साफ-सफाई कराकर बिजली की आकर्षक व्यवस्था की गई थी. झील तालाब छठ पूजा समिति द्वारा अग्रेशन चौक से लेकर छठ घाट तक रंग-बिरंगी लाइट्स, तोरण द्वार, फूलों की सजावट, पंडाल और प्रसाद वितरण का प्रबंध किया गया था. कई संगठनों द्वारा विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क दूध और अगरबत्ती का वितरण भी किया गया.

उत्साह और उमंग के साथ पौराणिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए के बीच छठ पर्व आने वाले वर्ष के इंतजार के साथ खत्म हो गया। छठ घाटों पर सभी श्रद्धालुओं के मन में सूर्य की उपासना और उनसे मन की मुराद पूरी करने की इच्छा. लोगों के ध्यानमग्न होने का उद्देश्य भावविभोर



करता रहा.

वही समाजसेवी अमित दुधेरिया व उनकी टीम ने तोरण द्वार बनाकर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद व दूध का वितरण किया. मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा व आस्था व्यक्त किया. शहर के व्रतियों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र झील तालाब और पम्पू तालाब रहा. झील तालाब पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की. घाट पर भव्य पंडाल का निर्माण कर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित की गई और पूरे भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की गई. यह एक ऐसा अकेला पर्व है जो पूरी तरह से लोक आस्था के साथ-साथ स्वच्छता और सूर्योपासना से जुड़ा अद्भुत पर्व है.

वही घाट पर खिलौने, बैलून, पटाखे, चार्ट, पकौड़े और चाय-पान के कई स्टॉल लगे थे. अन्य घाटों जिसमें लालगढ़, मछुआटांड़, मीना बाजार व मोहनपुर छठ घाट के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की नदियों व तालाबों पर भी छठ की धूम रही. चारों ओर छठ गीतों से धार्मिक वातावरण बना रहा.

इस बार झील तालाब छठ पूजा समिति द्वारा एक खास पहल करते हुए उगते सूर्य को गंगा आरती के तर्ज पर महा आरती का आयोजन किया गया. इस आरती को बनारस से आए पुरोहितों ने संपन्न कराया,जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा.

प्रशासन रहा मुस्तैद, चप्पे चप्पे पर थी नजर

मधुपुर । इस बार प्रशासन के मुस्तैदी, के कारण पुरे घाटों पर कोई भी अप्रिय घटना नहीं घटी. पुरे तालाब परिसर में प्रशासन की नजर थी. जगह जगह पर महिला पुलिस की व्यवस्था की गई थी. आने जाने वालों ओर विशेष नजर रखी जा रही थी. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतेन्द्र प्रसाद ने सभी घाटों का निरिक्षण कर सभी बिंदुओं पर पैनी नजर रखी थी.

मंत्री हफीजुल हसन ने विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

मधुपुर । छठ पुजा ओर प्रदेश के मंत्री हफीजुल हसन का विभिन्न घाटों पर शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया. ग्लास फैक्ट्री मोड़ छठ पूजा सेवा समिति के तत्वावधान में नप उपाध्यक्ष ऋषभ भारद्वाज, झील तालाब सेवा समिति क्र अध्यक्ष सोनू गुप्ता, पम्पू तालाब छठ पुजा समिति क्र अमेरिका यादव की ओर मंत्री श्री हसन का सम्मान व स्वागत किया गया. इसके दौरान मंत्री ने सभी श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की शुभकामना दी. झील तालाब छठ घाट पहुंचकर संध्या समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर सभी का कुशलक्षेम जाना. लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के इस पावन अवसर पर छठी मैया से समस्त मधुपुरवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की मंगलकामना की.



राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाने का मूल उद्देश्य पत्रकारों को अपने दायित्व और कर्तव्य के प्रति जागृत करना

देवघर संताल एक्सप्रेस । झारखंड प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाने का मूल उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु तथा पत्रकारिता के प्रति उच्च आदर्श स्थापित करने हेतु प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों को जागृत करना है। पत्रकारों का यह फर्ज बनता है कि अपने नैतिक दायित्व कर्तव्य तथा जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करें ताकि लोकतंत्र और भी ज्यादा मजबूत बनकर उभरे क्योंकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ तो प्रेस ही है।

छठ व्रतियों ने पूरे विधि-विधान से की पूजा-अर्चना



देवघर संताल एक्सप्रेस । लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अंतिम दिन सोमवार की सुबह श्रद्धालुओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान छठ व्रतियों ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना की। विभिन्न छठ घाटों पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने जल में खड़े होकर दूध और पवित्र जल से भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया तथा छठी मैया से परिवार के कल्याण की प्रार्थना की। घाटों पर भक्तिमय गीतों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण कर व्रतियों ने चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन किया।

अंधरीगादर में चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न

देवघर संताल एक्सप्रेस । देवघर जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत अंधरीगादर गांव में चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा आज उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हो गया। इस अवसर पर छठ व्रतियों ने पूरे विधि-विधान और निष्ठा के साथ भगवान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया की पूजा-अर्चना की। वहीं घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। चार दिनों तक चले इस महापर्व के समापन पर क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की गई। भगवान सूर्य देव एवं छठी मैया से प्रार्थना है कि सभी व्रतियों की मनोकामनाएं पूर्ण हों और हर परिवार में सुख, शांति एवं खुशहाली बनी रहे।

स्वच्छता के संकल्प के साथ दौड़ा देवघर डीसी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

देवघर । झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को देवघर में स्वच्छता और स्वास्थ्य का संदेश देने के लिए 'रन फॉर क्लीनलिनेस' का आयोजन किया गया। सुबह सात बजे इंडोर स्टेडियम से उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। दौड़ पटेल चौक होते हुए जलसार तालाब पहुंची। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, स्कूली बच्चों, सफाई मित्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

छठ घाटों पर अधिकारियों ने खुद संभाली सफाई की कमान

दौड़ के समापन के बाद जलसार तालाब स्थित छठ घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया।



उपायुक्त समेत वरीय अधिकारियों ने झाड़ू और फावड़ा थामकर घाटों एवं तालाब के किनारों की सफाई की। इस दौरान कचरा, पॉलिथीन और अन्य अपशिष्ट हटाए गए। स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने भी श्रमदान कर अभियान में सहयोग दिया।

स्वच्छता को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : डीसी

उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने कहा कि झारखंड स्थापना दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि राज्य और शहर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लेने का दिन है। बाबा बैद्यनाथ की पवित्र नगरी देवघर देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में यहां के सार्वजनिक स्थलों और जलस्रोतों को स्वच्छ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता को दिनचर्या में शामिल करने, सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करने और प्लास्टिक मुक्त देवघर के निर्माण में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को अपने घर, मोहल्ले और शहर को स्वच्छ रखने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। मौके पर पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, महापौर रवि राउत, उपमहापौर टिप चैटर्जी, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, एसडीओ रवि कुमार, अपर नगर आयुक्त रजनीश कुमार समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, नगर निगम की टीम, सफाईकर्मी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

देवघर : साइबर ठगी केआरोप में चार गिरफ्तार

फ्लिपकार्ट, अमेजन पे, गूगल पे और एयरटेल पेमेंट बैंक का कस्टमर केयर अधिकारी बनकर करते थे ठगी

संवाददाता

देवघर । साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए देवघर पुलिस ने मोहनपुर थाना क्षेत्र से चार संदिग्ध साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से छह मोबाइल फोन और सात सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। कार्रवाई 15 नवंबर को एसपी प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर डीएसपी कैलाश प्रसाद महतो के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपित फ्लिपकार्ट, अमेजन पे, गूगल पे, फोनपे और एयरटेल पेमेंट बैंक के कस्टमर केयर अधिकारी बनकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। कैशबैक



का लालच देने के अलावा पीएम किसान योजना, बिजली बिल और आरटीओ चालान के नाम पर फर्जी एपीके फाइल भेजकर मोबाइल का एक्सेस हासिल करते थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जगतपुर निवासी बिट्टू कुमार (24), रोशन कुमार (19), कालीजोत निवासी तकबुल अंसारी (30) और जगतपुर निवासी राजाराम कुमार (21) के रूप में हुई है। तकनीकी जांच में जब्त मोबाइल नंबर और आईएमईआई नंबर से विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी की शिकायतें जुड़ी मिली हैं। राजाराम कुमार पूर्व में साइबर थाना कांड संख्या 107/2024 में जेल जा चुका है। छापेमारी दल में साइबर थाना के पुलिस निरीक्षक अमर कुमार राम और मोहनपुर थाना प्रभारी संदीप कृष्णा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

राहुल अध्ययन केन्द्र में बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड स्थापना दिवस मनाया गया



मधुपुर । राहुल अध्ययन केन्द्र में क्रांतिवीर बिरसा मुंडा की जयंती व झारखंड स्थापना दिवस मनाया गया. मौके पर उपस्थित लोगों ने बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। मौके पर जनवादी चिंतक व कलमकार धनंजय प्रसाद ने विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए बताया की उन्हें जन-संगठन बना क्रूर अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध, आदिवासी अस्मिता, अधिकार , हक व सुरक्षा के लिए उलगुलान का शंखनाद किया था. वो न सिर्फ मुंडा समाज , आदिवासी , अनुसूचित जनजाति के महानायक थे ,बल्कि निर्भीक , लड़ाकू व जुझारू वस्वतंत्रता सेनानी थे. उनके उलगुलान का झंडा लाल व सफेद रंग का हुआ करता था. लाल महाक्रांति यानि उलगुलान, साम्राज्यवाद, सामंतवाद, शोषण , दमन व जुल्मत के विरुद्ध का प्रतीक था और सफेद रंग आंबुआ राज , आदिवासी , संस्कृति , अस्मिता, हक व अधिकार का प्रतीक था. उन्हें जल , जंगल , जमीन की लड़ाई लड़ी. बिरसा मुंडा की जयंती पर झारखंड अलग राज्य तो बनाया गया. आज झारखंड 26 सारा नवयुवक हो गया है, पर अभी तक न नीति , शिक्षा आयोग सहित भाषा , संस्कृति , कला अकादमी आदि नहीं बन पाया है.

मथुरा में सम्मानित हुए पाथरोल के युवा साहित्यकार



पाथरोल । पंचायत के माधोपुर गाँव के निवासी युवा साहित्यकार एवं कवि विवेकानंद विमल को हिंदी गीति काव्य की नवीन विधा सजल पर सराहनीय कार्य करने हेतु रविवार को आर. सी. ए. महिला महाविद्यालय, मथुरा में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में सजल सर्जना समिति, मथुरा की ओर से ÷सजल-भूषण सम्मान÷ से सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें समृति चिन्ह, अंग वस्त्र एवं पंद्रह सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इसी दौरान उनके दूसरे सजल संग्रह ÷एक चुटकी धूप÷ का भी लोकार्पण मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। मंच पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में केंद्रीय हिन्दी संस्थान के वरिष्ठ आचार्य प्रो. उमापति दीक्षित, वृंदावन शोध संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी, सजल प्रवर्तक डॉ अनिल गहलौत, सजल ऋषि श्री विजय राठौर सहित अन्य विद्वान शामिल रहे। ज्ञात हो कि विमल के दो सजल संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं और कई अन्य साझा संग्रह भी उनके नाम हैं। पिछले वर्ष उन्हें विशिष्ट सजल सेवारत्न सम्मान से भी प्रदान किया गया था।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न



देवघर। लोक आस्था के महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। देवघर शहर के डढ़वां नदी स्थित देवान बाबा घाट, कोरियासा बसमता में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर की पहली किरण के साथ व्रतियों ने जल और दूध से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इस दौरान पूरा घाट छठी मैया के गीतों और भक्तिमय माहौल से गूंजता रहा। सार्वजनिक छठ पूजा समिति की ओर से घाट को आकर्षक विद्युत रोशनी और सजावट से भव्य रूप दिया गया था। पर्व के सफल आयोजन में समिति के सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। मौके पर समिति के सभी सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भगवान बिरसा मुंडा खेल महोत्सव : दुमका में तैयारियां तेज, पारदर्शी चयन पर प्रशासन का जोर

दुमका । भगवान बिरसा मुंडा लोकप्रिय ग्रामीण एवं स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता-2026 को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए दुमका जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। सोमवार को जिला खेल कार्यालय में जिला खेल पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक अहम बैठक हुई, जिसमें प्रतियोगिताओं के सफल संचालन और प्रमंडल स्तर पर जिले की मजबूत दावेदारी पेश करने की ठोस रणनीति बनाई गई। आयोजन को सुव्यवस्थित रूप देने के लिए विभिन्न खेल और सांस्कृतिक संघों के बीच जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा कर दिया गया है। फैसले के अनुसार, जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन का पूरा जिम्मा दुमका जिला फुटबॉल संघ को सौंपा गया है, जबकि वॉलीबॉल प्रतियोगिता की कमान जिला वॉलीबॉल संघ संभालेगा। खेलों के साथ-साथ इस आयोजन में जनजातीय संस्कृति की अनूठी झलक भी देखने को मिलेगी। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन और समन्वय की जिम्मेदारी जिला कला-संस्कृति संघ को दी गई है। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी ने सभी संघों को सख्त और स्पष्ट निर्देश दिया है कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष होना चाहिए। टीम में जगह पाने का एकमात्र आधार खिलाड़ियों की वास्तविक प्रतिभा होगी। इसका मुख्य उद्देश्य प्रमंडल स्तरीय मुकाबले के लिए दुमका की एक अजेय और सशक्त टीम तैयार करना है। उन्होंने सभी खेल संघों से चयनित खिलाड़ियों की अंतिम सूची जल्द से जल्द जिला खेल कार्यालय में जमा करने को कहा है, ताकि आगे की तैयारियां समय पर पूरी की जा सकें। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला खेल समन्वयक, फुटबॉल संघ, वॉलीबॉल संघ और कला-संस्कृति संघ के प्रतिनिधियों के अलावा कई खेल प्रशिक्षक भी मौजूद थे। बैठक के अंत में सभी प्रतिनिधियों और प्रशिक्षकों ने आपसी तालमेल और खेल भावना के साथ इस जनजातीय खेल महोत्सव को एक ऐतिहासिक सफलता दिलाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर तिलक सेवा समिति ने दर्जनों पत्रकारों को किया सम्मानित

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

देवघर । राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस के अवसर पर तिलक सेवा समिति, देवघर (झारखंड) की ओर से बचपन प्ले स्कूल, श्रीकांत रोड, देवघर में भव्य पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में देवघर शहर के दर्जनों वरिष्ठ, विद्वान एवं सक्रिय पत्रकारों को सम्मानित किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकारों का सम्मान कर संस्था स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही है। समारोह को संबोधित करते हुए समिति के केंद्रीय अध्यक्ष हरेकृष्ण राय ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं। वे तमाम चुनौतियों और जोखिमों का सामना करते हुए सच्चाई को सामने लाने का काम करते हैं। अखबारों और



न्यूज चैनलों के माध्यम से आम लोगों तक महत्वपूर्ण सूचनाएं पहुंचाने के साथ ही पत्रकार समाज की समस्याओं को उजागर कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का सम्मान करना प्रत्येक राजनीतिक एवं गैर-राजनीतिक संगठन की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने झारखंड सरकार से मांग की कि राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस के अवसर पर राज्य के प्रत्येक पत्रकार को कम से कम 25 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाए, ताकि चौथे स्तंभ के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाने वाले पत्रकार अपने परिवार का बेहतर ढंग से भरण-पोषण कर सकें। साथ ही उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य में पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्भीक, निडर एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाने जाने वाले जेम्स नवाब ने की। उन्होंने अपने संबोधन में पत्रकारों के हित, अधिकार और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। समिति की संरक्षिका रूपा श्री ने भी पत्रकारों की भूमिका और उनके सामाजिक योगदान पर सारगर्भित विचार रखे। मंच पर समिति के संरक्षक राकेश कुमार राय, विद्वान शिक्षक बिपिन कुमार मालवीय, प्रशांत कुमार सिन्हा, शिवशंकर सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

छठ घाट पर डीसी ने श्रद्धालुओं के साथ अर्पित किया अर्घ्य

संवाददाता

देवघर । आस्था, तपस्या और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पर रविवार को डड़वा नदी घाट भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इसी बीच उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया भी डड़वा नदी छठ घाट पहुंचे और विधि-विधान से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर और अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार भी मौजूद रहे। घाट पर पहुंचने पर स्थानीय छठ पूजा समिति के सदस्यों ने उपायुक्त और अन्य वरीय अधिकारियों का स्वागत किया। इसके बाद उपायुक्त ने छठ व्रतियों के साथ अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना में भाग लिया। अर्घ्य



अर्पित करने के बाद उन्होंने जिलेवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि भगवान सूर्य अपनी असीम ऊर्जा और प्रकाश से सभी के जीवन को सुखमय, समृद्ध और ऊर्जावान बनाएं।

महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता बनी हुई है। उपायुक्त ने पर्व के सफल आयोजन में जुटे वरीय अधिकारियों, दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, सुरक्षा बलों और एनडीआरएफ की टीम के कार्यों की सराहना की। उन्होंने छठ पूजा समितियों से जिला प्रशासन के साथ लगातार समन्वय और सहयोग बनाए रखने की अपील की।

इधर, उपायुक्त के निर्देश पर जिले के सभी चिह्नित छठ घाटों पर दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। घाटों पर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासनिक टीमें भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रही हैं, ताकि अर्घ्य के दौरान किसी श्रद्धालु या छठ व्रती को परेशानी न हो। छठ के इस महापर्व पर जहां घाटों पर सूर्य उपासना और लोक आस्था का अद्भुत संगम दिखाई दे रहा है, वहीं प्रशासन भी श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुगम पूजा सुनिश्चित करने में जुटा है।

उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पर्व का समापन, गुमानी नदी घाट पर उमड़ी भीड़

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

बरहेट- भूतेश्वर नाथ मंदिर के समीप गुमानी नदी के तट पर स्थित छठ घाट सोमवार की सुबह आस्था और भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। चार दिवसीय छठ महापर्व के अंतिम दिन अहले सुबह हजारों की संख्या में श्रद्धालु घाट पहुंचे और उगते हुए सूर्य को दूध एवं जल से अर्घ्य अर्पित कर भगवान सूर्य की आराधना की.अर्घ्य के दौरान पूरा घाट छठी मइया के गीतों और ढोलक की मधुर ध्वनि से गूंज उठा. बाजार से लेकर नदी तट तक श्रद्धा



और भक्ति का माहौल बना रहा. छठ पूजा समिति की ओर से घाट की आकर्षक सजावट के साथ व्रतियों के लिए आवश्यक सुविधाओं और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया था. श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से समिति द्वारा प्रसाद वितरण केंद्र भी बनाया गया था, जहां लोगों को प्रसाद उपलब्ध कराया गया. उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही व्रतियों ने चार दिनों तक चलने वाले छठ व्रत का पारण कर महापर्व का समापन किया.

पूर्व रेलवे

खुला ठिका खोबोर संख्या: 80-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, माहित 13.11.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत आर दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-आसनसोल, 713301 होतेते लातार रे ओलाकान कामी लागित् खुला ई-ठिका नेवतायेत् काना। कामी रेयाक् जुतुम/जायगा: ''आसनसोल मंडल:- लातार रे ओलाकान बाबोत रे एस एंड टी कामी द्व) देवघर आर मधुपुर रे नावां क्रू बुकिंग लॉबी आर 30 बेड वाला रनिंग रूम आर दुमका रे 50 बेड वाला रनिंग रूम बेनाव ii) पानागढ़ रे नावां क्रू लॉबी आर रनिंग रूम, रानीगंज रनिंग रूम आर अण्डाल रे क्रू बुकिंग लॉबी नावांआरोय''। ठिका रेयाक् पूंजी: रु. 1,12,27,056.26, बायना पायसा: रु. 2,24,600/-, कामी पुराउ रेयाक् सोमोय: एलओए ओडोडोक् रेयाक् तारीक खोन 18 चान्दो। ठिका बोंदोक् रेयाक् तारीक आर सोमोय: माहित 08.12.2026 हिलोक् 14.00 बजे। वेबसाइट रेयाक् बानाडाय: http://www.ireps.gov.in/

ASN-318/2026-27

ठिका खोबोर दो वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in रे हों बेबोसता आकान मेनाक्आ।

नोडे पांजालेपे: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

साहिबगंज के बरहेट में ई रिक्शा व टैंकर में भिड़ंत , सात गंभीर रूप से घायल

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

बरहेट - साहिबगंज मुख्य सड़क में हरिशचंद्रपुर मोड़ के पास रविवार कोएक ई रिक्शा और एक टैंकर में आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई. घटना में कुल सात लोग घायल हो गए. सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया गया. जहां सभी का प्राथमिक उपचार चिकित्सक डॉ संतोष टुडू ने किया. साथ ही सभी घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया.मिली जानकारी के अनुसार घायलों में जिरबाबाड़ी निवासी 45 वर्षीय अजय ठाकुर और उसकी पत्नी 40 वर्षीय विमला देवी, हाथमारी गांव निवासी 18 वर्षीय मतला बेसरा, 25 वर्षीय सोनी मरांडी, 40 वर्षीय चुड़का बेसरा, बोड़बांध गांव निवासी 27 वर्षीय माल्हो मुर्मू एवं 40 वर्षीय बड़का टुडू शामिल है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ई रिक्शा साहिबगंज से बरहेट की ओर आ रहा था. जबकि टैंकर बरहेट से साहिबगंज की ओर आ रहा था. इस दौरान हरिशचंद्रपुर मोड़ के पास ई रिक्शा और टैंकर में आमने-सामने भिड़ंत हो गई.घटना की जानकारी मिलने के बाद बरहेट थाना के अवर निरीक्षक शंभू सिंह पुलिस बल के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच मामले की जांच में जुट गए.

उधवा प्रखंड में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

संताल एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज -बिरसा मुंडा जी की जयंती पर राजमहल विधानसभा क्षेत्र के उधवा प्रखंड स्थित खरदांग मैदान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट एवं मेला का सांसद विजय कुमार हांसदा व विधायक आदरणीय मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधिवत शुभारंभ किए. आयोजन समिति एवं स्थानीय के द्वारा पारंपरिक आदिवासी रीति रिवाज में दोनों ही अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया. सर्वप्रथम सांसद एवं विधायक ने महापुरुष बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किए . कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दोनों ही जनप्रतिनिधियों ने कहें कि यहां का मेला बरसों से आयोजित हो रही है. जो यहां की सांस्कृतिक धरोहर है. समय के साथ मेला वृहत रूप ले रही है . फुटबॉल टूर्नामेंट में शामिल खिलाड़ियों से दोनों ही अतिथियों ने परिचय प्राप्त किया और फुटबॉल में किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किए. सांसद व विधायक ने बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर उधवा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम प्रधानों को अंग वस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किए. दोनों ही अतिथियों ने कहा कि गांव की परंपरा विरासत एवं संस्कृति को अनुशासन के साथ कायम रखने में ग्राम प्रधानों की अहम भूमिका है . मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हेम्ब्रम ,विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयुब अली उर्फ बाबू दा, सचिव विश्वजीत मंडल, काजू मल्लिक, किन्नू सोरेन, भैया किस्कू, सहित अन्य मौजूद थे.

मंडरो और मिर्जाचौकी में छठ पर्व संपन्न



संताल एक्सप्रेस संवाददाता मंडरो-मंडरो एवं सदर प्रखंड में चार दिवसीय सूर्य उपासना व आस्था का महापर्व छठ पर छठ व्रती महिलाएं सोमवार को उदयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दी. इस दौरान छठ व्रती अपने पुत्र व परिवार को खुशहाल रहने के लिए कामना की. छठ व्रती 36 घंटा निर्जला उपवास रहकर यह व्रत की वहीं हाजीपुर घाट,टाली घाट,राम घाट,सलेमपुर घाट,मिर्जाचौकी दुर्गा मंदिर स्थित छठ घाट पोखर,कारु बांध पोखर,मंडरो महादेव पोखर की झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ,केन्द्रीय कमेटी सदस्य संजय मिश्रा एवं राजेश राम ने घाट की भ्रमण किया. जिसमें साफ सफाई रोशनी की उपलब्धता व सुविधाओं को देखी. मिर्जाचौकी थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह एवं पुलिस बल के साथ अपने क्षेत्रों में गस्ती करते रहे. वहीं मुफस्सिल थाना प्रभारी अनिश पांडेय एवं पुलिस बल के साथ हाजीपुर के घाटों पर गस्ती कर रहे थे.मिर्जाचौकी दूर्गा पूजा समिति अध्यक्ष राजीव जयसवाल, सचिव निरंजन जयसवाल, कोषाध्यक्ष श्रीनाथ चौधरी, टिंकल भगत, संजय जायसवाल सहित दर्जनों सदस्य छठ महापर्व की व्यवस्था में लगे थे. लोक आस्था का महापर्व छठ शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण मे सम्पन्न हो गया.

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित



संताल एक्सप्रेस संवाददाता उधवा- 26 वें झारखंड राज्य स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की पावन जयंती के अवसर पर प्रखंड अंतर्गत दक्षिण पलाशगाछी पंचायत सचिवालय परिसर में रविवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास, शिक्षा, संस्कृति,जल, जंगल, जमीन और सामाजिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई, साथ ही सुंदर प्रस्तुतियां पेश कर समाज को एक नई दिशा देने का संदेश दिया गया.कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, समाजसेवियों और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं व छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.कार्यक्रम का शुभारंभ पंचायत की मुखिया नफीसा खातून द्वारा मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ.इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उधवा प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, राधानगर थाना प्रभारी रोहित कुमार और प्रभारी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन ने विशेष रूप से शामिल हुए.मंच पर पंचायत के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, आंगनबाड़ी सेविकाएं, स्थानीय बुद्धिजीवी, वरिष्ठ नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई.कार्यक्रम के दौरान पंचायत के बुद्धिजीवी वर्ग, बुजुर्गों, शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने मंच को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे. वक्ताओं ने मुख्य रूप से पंचायत की जमीनी हकीकत, विकास कार्यों की प्रगति और स्थानीय लोगों के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं को प्रमुखता से उठाया. कार्यक्रम में विशेष रूप से असर्वेक्षित भूमि का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया वक्ताओं ने बताया कि सर्वे न होने के कारण आम ग्रामीणों के जीवन में कई तरह की प्रशासनिक और व्यक्तिगत परेशानियां आ रही हैं, जिसके समाधान के लिए ठोस पहल करने की आवश्यकता है.इसके बाद पंचायत की मुखिया नफीसा खातून, मुखिया प्रतिनिधि मो ताजेरुल हक और उप मुखिया रबिउल शेख सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया. उन्होंने पंचायत के चहुंमुखी विकास में अपने योगदान और उपलब्धियां गिनाई तथा आगामी विकास योजनाओं पर प्रकाश डाला.कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और नाटक रहा. 9 वीं कक्षा की छात्राओं ने मंच के माध्यम से बाल विवाह जैसी कुप्रथा और मानव जीवन में शिक्षा के महत्व पर आधारित एक अत्यंत मार्मिक और प्रेरणादायक नाटक का मंचन किया. नाटक के जरिए यह संदेश दिया गया कि शिक्षा ही समाज के अंधकार को दूर कर सकती है और बाल विवाह जैसी कुरीतियों का अंत केवल जागरूकता और शिक्षा से ही संभव है.

भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय छठ का समापन



संवाददाता = पाकुड़। लोक आस्था, नेम-निष्ठा, शुद्धता एवं पवित्रता का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को दूध एवं गंगाजल से अर्घ्य अर्पित करने के साथ जिला मुख्यालय, प्रखंड मुख्यालय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। नहाय-खाय से प्रारंभ हुए इस महापर्व के अंतिम दिन अहले सुबह से ही छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे पर्व के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

छठव्रती महिलाएं एवं पुरुष अहले सुबह करीब चार बजे स्नान-ध्यान कर नए परिधान धारण किए और नंगे पांव अपने-अपने घरों से पूजा सामग्री से सजे डाला एवं सूप लेकर जलाशयों के घाटों पर पहुंचे। घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने पूर्व दिशा की ओर मुख कर दीप प्रज्वलित किया तथा जल में खड़े होकर उगते सूर्य की प्रतीक्षा की। जैसे ही भगवान भास्कर की लालिमा आसमान में दिखाई दी, श्रद्धालुओं ने हाथ जोड़कर नतमस्तक होते हुए दूध एवं गंगाजल से अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान संतान की सुख-समृद्धि, परिवार के सदस्यों की दीर्घायु और घर में सुख-शांति की मंगलकामना की गई।

बागानपाड़ा टिन बांग्ला में छठ गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

संवाददाता

पाकुड़। शहर के बागानपाड़ा स्थित टिन बांग्ला छठ पूजा सेवा समिति के तत्वावधान में छठ महापर्व के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छठ की पारंपरिक आस्था,लोक संस्कृति और बच्चों की प्रतिभा का खूबसूरत संगम देखने को मिला।कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि पाकुड़ के विख्यात समाजसेवी लुत्फल हक ने दीप



प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों ने अतिथि का स्वागत किया।सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने छठ महापर्व की महिमा और सूर्योपासना पर आधारित गीतों एवं मनमोहक नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की शानदार प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। पूरा परिसर छठ गीतों की मधुर धुन और तालियों की गूंज से भक्तिमय एवं उत्सवी माहौल में सराबोर रहा।कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए चयनित कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। आयोजन का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ छठ महापर्व की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा।कार्यक्रम के माध्यम से समिति ने सामाजिक एकजुटता,सांस्कृतिक संरक्षण और बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का सराहनीय संदेश दिया।

छठ पूजा पर अर्घ्य देने गंगा घाट पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज - नेम निष्ठा का महापर्व छठ साहिबगंज शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को दुसरी अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया.रविवार को साहिबगंज व राजमहल नगर के लोगों ने गंगा तट पर अवस्थित गंगा घाट पर भगवान भास्कर को लोगों ने अर्घ्य दिया.वही ग्रामीण क्षेत्रों के लोगो ने तालाबों व जलाशयों में पूजा-अर्चना कर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया.

मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष गोपालपुर गंगा घाट,शितला मंदिर गंगा घाट व शंकुतला गंगा घाट पर दो से ढाई फीट दलदल रहने के कारण छठ व्रती महिलाओं के अलावे अर्घ्य देने वाले महिला, पुरुष व बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा.वही बिजली घाट पर अत्याधिक भीड़ हो जाने के कारण लोगो को अर्घ्य देने में परेशानी उठानी पड़ी.

संत जेवियर स्कूल के सामने गंगा घाट पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने पत्नी के साथ पूजा-अर्चना कर अर्घ्य दिये.जिले के डीसी दीपक कुमार दूबे ने पत्नी के साथ अर्घ्य दिये.और छठ का डाला सर पर रखकर घाट पहुंचे.वही



एसपी अमित कुमार सिंह स्वयं छठ किये.और छठ का डाला भी सर पर रखकर घाट पहुंचे.राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत ओझा ने भी गंगा घाट पहुंच कर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिये. भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ,भाजपा नेता अमित सिंह छठ का डाला सर पर रखकर घाट पहुंचे.



सोमवार की सुबह गंगा घाट पर लोगो ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद नौका विहार का लुत्फ उठाया.वही बच्चों ने गंगा तट पर जमकर पटाखा फोड़ा.वही जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के द्वारा सभी गंगा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया था.

मंडरो में अधिक मात्रा में फसल नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने की विशेष पूजा अर्चना

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

मंडरो- प्रखंड क्षेत्र के पिंडरा पंचायत के कोहबरा गांव में आदिवासियों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के खेतों में अधिक मात्रा में फसल नहीं होने के कारण कोहबारा गांव के लोगों के द्वारा सुदूर इलाकों से जिसमें बेलपहाड़,बरहेट,पाकुड़ गोड्डा सहित कई जगह से धर्म गुरु, गुरु बाबा रायसेन मुर्मू, नींमु हांसदा,बाला मुर्मू,बारिश मुर्मू, गुरु हेंब्रम,लड्डु हेंब्रम को बुलाकर कर्मा पर्व का आयोजन किया. कोहबारा के युवक एवं युवतियों ने बताया कि मेरी उम्र 40 वर्ष के आसपास हो गई है. मैं पहली बार इस तरह का धर्म गुरु को बुलाकर इस तरह को पूजा पाठ का आयोजन देख रहा हुं. बताया कि जिस गांव में इस तरह का पर्व का आयोजन होता है. वहां लगातार 5 वर्षों तक ऐसे कर्मा पूजा का आयोजन किया जाता है. यह पूजा गांव के मांझी स्थान में किया गया. इस पूजा का नियम यह है कि



पहाड़ से करम का पेड़ का डाल लाया जाता है एवं इस पूजा में 10 वर्षों तक की बालिका के द्वारा पूजा कराया जाता है. गांव की महिलाएं दिन रात भूखे रहकर रात भर जागरण करती है. जिसमें ढोल नगाड़ा बजाया जाता है. इस पूजा के दौरान गांव के प्रत्येक घर से एक पयला (एक तरह का मापक बर्तन) में नया फसल धान धर्म गुरु को पूजा के स्थान पर देना है. धर्मगुरु के द्वारा सभी गांव के लोगों के द्वारा दिए गए धन को एक जगह जमा कर देते हैं.पूजा संपन्न होने के बाद उस मापक बर्तन जो एक-एक पयला धान प्रत्येक घर से मिला था. उसे फिर गांव के लोगों वापस किया जाता है. अगर सभी को धान वापस करने के बाद भी धान बच गया तो समझा जाता है की गांव के लोगों के द्वारा किया गया पूजा सफल हुआ और देवता प्रसन्न हुए. इस पूजा कोहबारा गांव के मांझी स्थान में किया गया.जबकि मेला स्कूल के फील्ड परिसर में आयोजित किया गया है.मेला मे बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला एवं कई चाट-पकोड़े का दुकान भी लगाया गया है. मौके पर गांव के प्रामाणिक जोक मंझी, मुंशी मुर्मू, प्रधान संझली मरांडी,सेलिन किस्कू, मानसिंह किस्कू,मनवेल किस्कू,अनिल मुर्मू,दुखो टुडू, संतोष टुडू,गुलाबी चोड़े,चतुर मुर्मू,सहदेव ठाकुर,दुर्गा किस्कू सहित सभी कोहबारा गांव के ग्रामीण इस आयोजित पूजन को सफल बनाने में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं.

बीस प्रतिशत लोगों ने अपने घरों पर तालाब बनाकर की छठ पूजा



संताल एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज - इस वह गंगा घाट की स्थिति सही नही रहनें के कारण करीब बीस प्रतिशत लोगों ने अपने घरों के छत व आंगन में तालाब बनाकर उसे पुष्प माला व विधुत झालरों से सजाकर अपने घरों पर ही भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया.बताते चलें कि इस बार कई गंगा घाटों पर दलदल की स्थिति रहने के कारण लोग परेशान रहे.

छठ का प्रसाद देकर घर लौट रहे 65 वर्षीय वृद्ध की सड़क दुर्घटना में मौत



संताल एक्सप्रेस संवाददाता

मंडरो- मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के मंडरो मुख्य मार्ग के भगैया स्थित सतीश मार्बल के निकट सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई. हुई घटना में मंडरो प्रखंड क्षेत्र के उपरबंधा गांव निवासी निवासी 65 वर्षीय हरियर पंडित गंभीर रूप से घायल हो गया.उसे घायलावस्था में इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.मिली जानकारी के अनुसार हरियर पंडित छठ का प्रसाद देकर अपने घर लौट रहे थे. इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही बाइक से उनकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे गंभीर रूप से घायल हो गए.स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए साहिबगंज ले जाया गया. जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.घटना की सूचना मिलते ही मिर्जाचौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त बाइक एवं बाइक चालक को हिरासत में ले लिया. पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है.हादसे के बाद मृतक के परिजनों में

विधायक ने 50 टीबी मरीजों दिए पोषण किट



संताल एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज - झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा एवं टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत् सोमवार को अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में टीबी मरीजों को पोषण सहायता उपलब्ध कराने एवं टीबी रोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एम. टी. राजा ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए कुल 50 टीबी मरीजों को गोद लिए तथा उनके बीच पोषण किट का वितरण किया. सर्वप्रथम अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किए. कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का सपना तभी साकार हो सकता है. जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस अभियान में अपनी जिम्मेदारी समझते हुए आगे आए. टीबी केवल एक व्यक्ति की बीमारी नहीं है. बल्कि इसके उन्मूलन के लिए पूरे समाज के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों को समय पर पौष्टिक आहार, नियमित दवा एवं परिवार तथा समाज का सहयोग मिलना अत्यंत आवश्यक है.मरीजों को गोद लेकर पोषण किट उपलब्ध कराना उनके स्वास्थ्य में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं सक्षम व्यक्तियों से अपील की कि वे टीबी मरीजों की सहायता के लिए आगे आएं और जिले को टीबी मुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं. मौके पर जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. किरण माला ने अपने संबोधन में कही कि टीबी एक संक्रामक बीमारी अवश्य है, लेकिन इसका पूर्ण उपचार संभव है. यदि किसी व्यक्ति में दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना अथवा भूख नहीं लगने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं. तो उसे बिना देर किए नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए. उन्होंने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में टीबी की जांच एवं उपचार की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है. टीबी की पुष्टि होने पर मरीजों को नियमित रूप से निर्धारित अवधि तक दवा का सेवन करना चाहिए और बीच में दवा बंद नहीं करनी चाहिए. मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू जी, बीपीएम अमीत कुमार, एसटीएस संजय कुमार सहित अन्य मौजूद थे.

तीनपहाड में आस्था के साथ मना छठ पर्व





तीनपहाड़- नेम-निष्ठा और लोक आस्था का महापर्व छठ तीनपहाड़ व आसपास के क्षेत्रों में आस्था व श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाया गया.इस दौरान बाबूपुर छठ घाट, बभनगामा कमली पोखर, हथिगड़ घाट, तीनपहाड़ गम्हरिया नाला, नीचे टोला और आम बागान घाट समेत अन्य छठ घाटों को रंग-बिरंगी लाइटों और गेंदा फूलों से सजाया गया था. छठ व्रतियों ने रविवार की शाम डूबते भगवान सूर्य को तथा सोमवार की सुबह उगते सूर्य भगवान को दूध और गंगाजल से अर्घ्य अर्पित किया. पर्व को लेकर सभी घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही.और आतिशबाजी से क्षेत्र भक्तिमय हो गया. बाबूपुर घाट पर मेला भी लगा था.जहां गुपचुप, चाट और खिलौनों की दुकानें सजी थीं. सुरक्षा को लेकर तीनपहाड़ थाना पुलिस पूरे क्षेत्र के घाटों पर गश्त करती रही.

कोलकाताः पायसा-टाका रेयाक् हारो़न ते हो़पो़नतेत् दो़ आच् गो़गो़य पा़सी गो़च् केदेया

खबोरिया

कोलकाता। कोलकाता रेयाक् हाफिज मोह मद इस्हाक रोड रे होड़मो़
रूमुय उतारो़क् लेकानाक् घो़टना सो़दो़राकाना। नो़ण्डे मित्टेन
67 बो़छो़र रेन हो़पो़न उपार रे आपनार 85 बो़छो़र रेन एंगात
हो़टो़क् पा़सी काते गो़च् आकादे रेयाक् दो़स लादेयाकाना।
खो़बो़रियावाक् मेन लेकाते, दुसी सागर घोष दो ओ़तेमाहां हिलोक्
सेताक् मोटामुटी 11 बजे ओड़ाक् भितरी रे गे आच् गो़गो़ उमारानी घोषे गो़च् केदेया। एतो़हो़प् जांच रे सो़दो़रेना जे दुसी दो़ पोण्ड सुतु़म ते आच् गो़गो़च् पा़सी गो़च् लेदेया।
हाहाड़ा काथा दो़ नोआ काना जे आच् गो़गो़य गो़च् केदे तायो़म दुसी हो़पो़नतेत् दो़ आच् गे पुलिसाक् आपातकालीन नंबर 100 रेय फो़न केदा
आर पुलिस अधिकारीको पुरा़उ काथाय ला़यात्कोआ। दुसी हो़पो़न दो़
फो़न रेय ला़ई केदा जे केदा जे आच् गो़गो़च् गो़च् केदेया। खो़बो़र जाम सांवते पुलिस दो़ उसा़रा ते एक्शन रेको हेच् एना आर
घो़टना जायगा ते सेटेर काते दुसी सागर घोपको साप् केदेया।
पुलिसाक् एतो़हो़प् पूछताछ रे सो़दो़रेना जे उमारानी दो़ आयमा दिन खो़ने रूवा़क्कान ताहेंकाना आर उनी रान ओचोये रे जो़तो़ पायसा सागर गेय खारचायेत्कान ताहेंकाना।
टोठा रे आंजो़मो़क् काना जे दुसी दो़ नियाह़ाली पायसा टाका ते मुसकिल रेय ताहेंनकान ताहेंकाना। ओना तायो़म नोंका ओ़हमाक् काना जे रान ओचोये रेयाक्
खारचा रेयाक् दबाव खा़तिर ते नोंका दो़य का़मीयाकादा। हें मेनखान,
पुलिस दो़ नित हा़बिच् ते जाहांन ओ़जे दो़ बाको पुस्टा़उ आकादा।
जांजांचकोको मेनेत् मेनेत् काना जे घारो़ंज रेयाक् झागड़, पायसा रेयाक् लेनदेन, आ़ड्झा़उ रे ताहेंन आर से एमान ओ़जेको धियान रे दो़हो़ काते मो़ंज तेको छानबीनेत् काना, जेमो़न घो़टना रेयाक् आसो़ल ओ़जे पुस्टा़उ दाड़ेयाक्।

खूंटी रे छठ माराङ पो़रो़ब दो़ होय सा़त एना, घाटको रे पा़तिया़वानकोवाक् भीड़ ताहेंयेना

खबोरिया



खूंटी। हो़ड़ बिसवा़स पा़तिया़उ आर नेम निष्ठा रेयाक् पोन माहांकिया माराङपो़रो़ब छठ दो़ सोमवार हिलोक् उदीयमान भगवान भुवन भास्कर दोसरा अर्घ्य एमावाक् सांवते होय सा़त् एना। आ़डी सेताक् रे पोन बाजे खो़न गे पुरा़ ओ़नो़रो़ल छठ माइंयां सेंरेञको ते आंदो़ड़ एना। सवा चार बजे सांवते गे पा़तिया़वानको घाट रेको भीड़ केदा। जिला मु यालय रेयाक् राजा तालाब, चौधरी तालाब, साहू तालाब, नया तालाब, दादुल घाट छाडा, तजना गाडा, कुंजला, दतिया, सोसोटोली घालो़क् आडेपासे छठ घाटको रे भगवान सूर्य जोहाराय लागित् पा़तिया़उ सालाक्को भीड़ केदा। जेमो़न गे माड़ाडरे उदीयमान सूर्य नारायण आराक्गेय जेल एना, पुरा़ छठ घाट नोडकागे सूर्या सहस्त्राशो रेयाक् वैदिक मो़न्तो़रको ते आंदो़ड़ो़क् एहो़प् एना। भगवान भास्कर दोसरा अर्घ्य जोहराय तायो़म उपा़सीको दो़ सूर्य पुजा़वाय आर रवि षष्ठी व्रत काथा आँजो़मकातेको हवन केदा आर पोरसादको एमहा़टिञ केदा। पोरसाद जाम लागित् हो़ड़को भीड़ केदा। जुहुम आर सेताक् ओ़कते अर्घ्य जोहाराय लागित् जुदा़ जुदा़ छठ घाटको रे आको़रसो़न विद्युत लाइन मारसाल तेको साजाव आकात् ताहेंना। छठ घाट खो़न रूवा़ड़ तायो़म उपा़सीको दो़ जुदा़ जुदा़ मुंदिल रे पुजा़ पाठ काते आको आर घारो़ंज रेनकोवाक् खुशहाली लागित्को को़यबिनती केदा। सोमवार हिलोक् जुहुम मुरतीमुठान नियाम लेकाते उद्घाटन टोठारिया़ सोमाजसेवीको मित् तेको उढ़ाउ केत्आ। गाडिया़ घाटिच् सेटेरो़क् हो़र घालो़क् गाडिया़ छाटका साजाव सापड़ाव रे युवा मंच रेन अमन सोनी, सोनू साहू, शुभम पांडे घालो़क् एटाक् आर रा़सिया़को दो़ जारूड़आनाक्को का़मी पुरा़उ केदा। सोमवार सेताक् छठ घाटको रे पा़तिया़वान तालारे निशुल्क चायको एमात्कोआ।

टाटा पावर दो़ औसा रेय एतो़हो़प् केदा 100.8 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना

खबोरिया



पूर्वी सिंहभूम। टाटा पावराक् सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल
एनर्जी लिमिटेड दो़ महाराष्ट्र रेयाक् लातूर जिला़ रेयाक् औसा रे
100.8 मेगावाट दाड़ेयान पवन ऊर्जा परियोजना मों़जतेगेये चालू आकादा। नोआ परियोजना ते उत्पादित अक्षय ऊर्जा रेयाक् आपूर्ति टाटा पावर मुंबई डिस्ट्रीब्यूशन होयोक्आ। सोमवार हिलोक् टाटा स्टल होतेते लायेन जानकारी लेकाते परियोजना ते जाव बो़छो़र पासेच् 308 मिलियन यूनिट स्वच्छ साफ्ट बिजलीए बानाव रेयाक् आस मेनाक्आ, नोआ ते
मुंबई क्षेत्र रे स्वच्छ आर भारोसावान दाड़े बेबो़सता केटेच्ए जामा।
औसा परियोजना रे 28 हॉरिजॉन्टल एक्सिस विंड टर्बाइन जेनरेटर लागाव आकाना। मिमित् टर्बाइन एसजी 3.6-145 मॉडल रेयाक् काना, नोआ
बेसताऱ दक्षता सालाक् पवन ऊर्जा आरजाव लागित् डिजाइन आकाना। परियोजना ते होयोक्आक् बा़छड़ी उत्पादन होते ते जाव बो़छो़र पासेच् 2.52 लाख टन कार्बनऑक्साइड उत्सर्जन रे कोमाव हिजुक् रेयाक् अनुमान मेनाक्आ। नोआ ते टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी रेयाक् स्वच्छ ऊर्जा क्षमता दाड़े बाढ़ाव जाम सांवते को़म कार्बनलआनाक् दाड़े बेबो़सता पो़था रे हों एनेम होयोक्आ। परियोजना चालावबानाव ओ़कते ग्रिड कनेक्टिविटी योजना रे बो़नो़दो़ल कारो़नते मित् माराङ तकनीकी लिलका़र सामाङ हेच् एना। एहो़प् योजना रे ईएचवी लाइन लागित् भूमिगत केबल रेयाक् प्रावधान ताहेंकाना, तायो़मते बो़दो़लकाते मोनोपोल आधारित बेबो़सता एना। परियोजना ताला होयेन नोआ बो़नो़दो़ल कारो़नते डिजाइन, किरिञ आर बेनाव सांव जोड़ाव आयमा केटेच्तेत् जानाम एना। एनरेहों टीपीआरईएल रेयाक् विंड प्रोजेक्ट एग्जीक्यूशन डिवीजन रेन
टीम दो़ सुधा़र बेबो़सता मों़जते परियोजना रेको सेलेत् केदा आर निट सो़मो़यसीमा़ रे जाहांन असर बाय पाड़ाव ओचोवादा। नोआ टीपीआरईएल रेयाक् विंड प्रोजेक्ट एग्जीक्यूशन डिवीजन होतेते पा़हिल मोनोपोल ईएचवी लाइन इंस्टॉलेशन हों काना। औसा परियोजना चा़लू सांवते टीपीआरईएल रेयाक् कुल अक्षय ऊर्जा यूटिलिटी क्षमता बाढ़ावकाते 12.1 गीगावाट होय आकाना। नोआ रे 7.3 गीगावाट क्षमता चालू मेनाक्आ, नोआ रे 5.9 गीगावाट सौर ऊर्जा आर 1.4 गीगावाट पवन ऊर्जा सेलेत् मेनाक्आ। नोआ छाडा 4.8 गीगावाट क्षमता दाड़ेयान
परियोजनाको जुदा़ जुदा़ चरणको रे बेनाव आर चालावबानाव अधीन

काशी-अयोध्या तायो़म नित मथुरा रेयाक् बारीः हेमा मालिनी

खबोरिया



मथुरा। उत्तर प्रदेश रे दाराय विधानसभा चुना़व तेयारी ला़गित् मथुरा रेयाक् आतो परखम रे भाजपावाक् बार माहांकिया़ योजना दुपुडुप् ओराम आकाना। दुपुडुप् रे सिरा़मंत्री योगी आदित्यनाथ घालो़क् केंद्र आर प्रदेश ता़रि रेन गा़खुड़ नेताको सेलेत् एना। दुपुडुप्
रे सेलेदो़क्ए सेटेरेन मथुरा रेन सांसद हेमा मालिनी दो़य मेन
केदा जे नोडका बुजहा़क् काना जे काशी आर अयोध्या तायो़म नित मथुरा रेयाक् बारी काना। नोडका रे मथुरा रे ओरामेन नोआ दुपुडुप् दो़ आ़डी जा़रूड़आनाक् गेया। उनी दो़य मेन केदा जे विकसित उत्तर प्रदेश बेनाव रेयाक् नीव नोआ दुपुडुप् दारायते दो़हो़क्आ। दारायकान विधानसभा
चुना़व रे भाजपावाक् तेसार धाव सरकार बेनाव रेयाक् दा़बीय तुलुच् उनीए मेन केदा जे हो़ड़ भालाई आर विकास ला़गित् पार्टी ओका लेकातेय का़मीयेत् काना, ओना ताक रे लाहा
सेच् हों जावगेय का़मी इदिया।

ओको-कोमबड़ो सा़गा़ई खा़तिरे गो़च् केत्किना बार हो़ड़, साप् केदेयाको दुसी

खबोरिया



लोहरदगा। लोहरदगा जिला रेयाक् भंडरा रे ओको सा़गाई ताहेंकान
खा़तिर ते मित्टेन मायजीउ पूजा लहेरी आर उनी रेन मिलवा़ गाते रोहित कुमारको गो़च् आकादे रेयाक् मामला सो़दो़राकाना।
टोठाकिया़ हो़ड़ाक् लाई लेका रे मायजीउ आच् जावांय सोनू लहेरी दो़ टेंगो़च् तेय माक् गो़च् आकात्किना। घो़टना दो़ सिंगेमाहां हिलोक् जिन्दा़ सेयाक् काना। मायजीउ रेन बारया गिदरा़ मेनाक्किना। गो़गो़च्इच् दो़ पुलिसको साप् केदेया। मायजीउ रेन जावांय सोनूवाक् लाई लेकाते उनी आच् बा़हू रेन मिलवा़ गाते दो़ बिहार रेयाक् बाढ़ जिला रेन ताहेंनो़क्इच्ए ताहेंकाना। उनीयाक् जुतुम दो़ रोहित कुमार काना। उनकिन दो़ बिनसाजो़क् ओ़बो़सता रेय जेलकेत्किन खान आपनार ओड़ाक् रे गे टेंगो़च् तेय माक् गो़च् केत्किना। सोनू रेन बारया कोड़ा मेनाक्किन ताया। घो़टना जायगा
ते पुलिसको सेटेरेना आर फॉरेंसिक टीमको हो़हो़वात्कोआ। पुलिस
दो़ मामला रेयाक् जांच पड़ताल रेको लागावाकाना। ओको-कोमबड़ो सा़गा़ई रे होयाकान नोआ घो़टना दो़ टो़ठा रे खुप्
डामडा़ही़याकाना। थाना प्रभारी मनोज कुमार दो़य ला़ई केदा जे पुलिस दो़ मामलाको जांच पड़तालेत् काना। मां़ड़ी दो़ पोस्टमार्टम लागित्को कोल केदा।

कर्मभूमि एक्सप्रेस रेय गो़च् एना आ़नाड़ी सांगारिया़

खबोरिया

पश्चिमी सिंहभूम। लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई खो़न कामा या चालाक्
कर्मभूमि एक्सप्रेस रे सोकोलवार हिलोक् पासेच् 45 उमा़र रेन मित् आ़नाड़ी यात्री सांगारिया़ए गो़च् एना। ट्रेन रेयाक् चक्रधरपुर
स्टेशन सेटेरेन रे रेलवे का़मिया़को दो़ मांड़ींको फेड केदा।
रेल चिकित्सक जांच रे यात्री दो़ गो़च् गेयायको सारसादले केत् तायो़म राजकीय रेल पुलिस जीआरपी दो़ मांड़ीं काबजा काते पाछनाव
ठिके ला़गित् आर लाहा सेच् कुड़पाड़को एहो़प् आकादा। ला़ई केदाको जे गो़च्एन यात्री ट्रेन रेयाक् एसी कोच रे पायदान रे
दुडुप् कातेय चालाक्कान ताहेंना। चक्रधरपुर सेटेरो़क् लाहारेगे
उनीय गो़च् चुका़उ आकान ताहेंना। स्टेशन रे ट्रेन तेंगोयेन तायो़म
यात्रिको आर रेलका़मिया़को जेल केदेया, इना़ तायो़म लातार रेको फेड केदेया। जांच ओ़कते बाय साहेंत्एत् ताहेंना। रेल चिकित्सक दो़
बिड़ाउ केदे तायो़म गो़च् गेयायको घोषित केदेया। जीआरपी दो़ मांड़ीं पाछनाव ला़गित् उनीको तलाशी केदेया, मेनखान जेब खो़न टिकिट, पहचान पत्र से मोबाइल फो़न घालो़क् नोडकान जाहांन सामान बाको जाम लेदा, नोआ ते उनीयाक् पहचान होय दाड़ेयाक्।
का़मिया
हो़ड़को बुजहा़वेदे ताहेंना। उनी दो़ उरगुम किचरिच्ए हो़रो़क्
आकात् ताहेंना आर हो़ड़मो़ रे पिछा़ड़ी हों ताहेंकानताया। जीआरपी दो़ ट्रेन रे ताहेंकान यात्रिको हों़को कुली केत्कोआ, मेनखान
गो़च्एन बाबो़त जाहांन केटेच् जानकारी बाको जाम दाड़ेयादा। पुलिस
दो़ मांड़ीं मों़जते दो़हो़काते पाछनावेको एहो़प् आकाना। छठ पो़रो़ब कारो़नते मुंबई हावड़ा रेल हो़र रे ट्रेन निया़को दिन
सांगारिया़कोवाक् आ़डी भीड़ होयोक् काना। नों़कारे ट्रेन रेयाक् साधारो़न डिब्बा सांवते एटाक् कोचको रे हों सांगारिया़को ढेर आकाना।

अमित शाह दो़ पुणे रेय उढ़ाउ केदा अजित पवाराक् गो़ड़हो़न मुढ़न



खबोरिया

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो़ आपनार बार माहांकिया़ पुणे सांगार रेयाक् दोसार दिन ओ़तेमाहां हिलोक् स्व. अजित पवाराक्
गो़ड़हो़न मुठ़ाने उढ़ाउ केदा।
पुणे जिला परिषद रेयाक् पा़हिल मंजिल रे ओरामेन का़मीहोरा रे महाराष्ट्र रेन सिरा़मंत्री देवेंद्र फड़णवीस, उपमु यमंत्री एकनाथ शिंदे सांवते राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी रेन आयमा गा़खुड़ नेता आर मंत्रीको
सेलेत् एना।
सेमेलेत् ओ़कते पुणे जिला परिषद रेयाक् आसो़ल दुवा़र रेयाक्
जुतुम हों़ अजित पवार जुतुम रे दो़हो़येना। नोआ का़मीहोरा रे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी रेन प्रमुख शरद पवारे हेच्को़क्आ, मेनखान उनी दो़ सेमेलेत् रे बाय हेच् दाड़ेवादा। उनीयाक् जायगा रे सुप्रिया सुले का़मीहोरा रेय सेलेत् एना।
अजित पवार उईहार आंजलेये ला़गित् नेहरू मेमोरियल हॉल रे मित्
हुडिञ सभा होय एना। नोआ ताक रेको सेटेरेन नेता आर जनप्रतिनिधि
दो़ बोंगातालावाकान नेताको दिसा़ रूबा़ड़ केदेया। नोआ का़मीहोरा
दो़ एकेन मित् उईहार आंजले सेमेलेत् रूप रे दो़ बाड़, बिचको़म महाराष्ट्र रेयाक् राजनीति लेकाते हों़ आ़डी माराङको मेतावाक् काना।
नोआ का़मीहोरा बाबो़त रे पुणे जिला परिषद छाटका रे सुरक्षा
रेयाक् पुरा़उ बेबो़सता ताहेंकाना।

रांची रे डॉक्टर दो़ 10 किलो कैंसरग्रस्त ट्यूमर रेयाक् गांठ मो़ंजतेगेको ओडोक केदा एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर हासपाताल रेन डॉक्टराक् जटिल सर्जरी

रांची। रांची रे मेनाक् एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर
हासपाताल रेन डॉक्टर दो़ जटिल केटेच् सर्जरी काते 41 उमा़ररेन मायजिवाक् हो़ड़मो़ खो़न पासेच् 10 किलोग्राम ओ़जो़न हामालान
कैंसरग्रस्त ओवेरियन ट्यूमर मो़ंजतेगेको ओडोक केत्ताया। साढ़े तीन घंटा खो़न जा़सती सो़मो़य धा़बिच् चालावेन नोआ सर्जरी ओ़कते डॉक्टर दो़ मायजिवाक् हृदय आर फेफड़ा रेयाक् का़मी बों़दो़क् लेकानाक् गंभीर जटिल मुसकिलाक् खो़नको बांचाव केदेया। हासपाताल सेच् खो़न सोमवार हिलोक् जारी प्रेस विज्ञप्ति लेकाते, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट कैंसर विशेषज्ञ डॉ संदीप कुमाराक् आ़युर रे डॉक्टर टीम दो़ नोवाको ऑपरेशन केदा। मायजिव दो़ पेया गिदरा़ एंगातान आर आतोटोठा रेन कानाय। उनी दो़ लाच् रे सूजन आर हासोये सांवते साहेंत् रे पारेसानो़क्कान ताहेंना। जांच रे ट्यूमर
आकार रेयाक् 35 सेंटीमीटर खो़न जा़सती जाम एना। नोआ डायग्राम रे दबाव डालावेत् ताहेंना, नोआ कारो़न ते साहेंद रे
मुसकिलो़क्कान ताहेंना। मायजिव दो़ मधुमेह ते हों जा़बुनाकान
ताहेंना। पासेच् 12 बो़छो़र लाहा उनी दो़ गर्भाशय ओडोक रेयाक्
सर्जरी हों होय चुका़वाकान ताहेंना। पोयसा बाडते आर मों़ज लेकाते
स्वास्थ्य सुबिताको ओभाब रे बीमारी पाछनाव रे दिरी एना।



ड़ायन गो़च्कांड रेन आरोपित जुरीपा़रीको साप् केत्किना



खबोरिया

गिरिडीह। जिला़ रेयाक् मुफस्सिल थाना क्षेत्र रेयाक् बासाबुदा आतो रे ड़ायन आरो़प लागावकाते 59 उमा़ररेन मित्टेन मायजिवको पिटा़उ गो़च् आकादे मामला रे पुलिस दो़ खुला़साय तुलुच् जुरीपा़रीको साप् आकात्किना। घो़टो़ना आंजाम एमावाक् रे सेलेत् आरको आरोपित साप्को ला़गित् पुलिसाक् छापेमारी जारी गेया। सोमवार हिलोक् एसडीपीओ जीतवाहन उरांव दो़य ला़ई केदा जे मायजिव गो़च् बाबो़त रे गो़च्एन मायजिव आच् जावांयाक् बायान रो़ड़ आधार रे मुफस्सिल थाना रेको केस आकादा। नोआ रे आतो रेन गे मोतीलाल मुर्मू, उनी आच् बा़हू आर घारो़ंज रेन एटाक् रा़सिया़को आरोपितको बानाव आकात्कोआ। एसडीपीओ दो़य मेन केदा जे मामला रे गा़हिरते जेल तुलुच् जांच टीम लागातार नोआ पों़था रेको का़मीयेत् काना। नोआ ओ़कते आरोपित शिवलाल मुर्मू आर आर आच् रेन बा़हूताय बड़की मुर्मू ता़किनको साप् आकात्किना। नुकिन दो़ नोआ गो़च्कांड रे दुसी रेकिन हेंक् आकादा। गो़च्कांड रेको ला़ई केदा जे आरोपित मोतीलाल मुर्मू रेन कोड़ा दो़ आयमा दिन खो़ने रूवा़क्कान ताहेंना आर रि स रांची रे भा़रतीए ताहेंकाना। राने कान ताहेंन ताक रे 13 नवंबर हिलोक् जिन्दाए गो़च् एना। को़ड़ाए गो़च्एन तायो़म मोतीलाल आर ओनको घारो़ंज हो़ड़ दो़ उनी मायजिव ड़ान गेयायको मेतादेया आर 14 नवंबर हिलोक् सेताक् मोतीलाल दो़ आच् ओड़ाक् रेन आरको हो़ड़ सांवते मायजिवाक् ओड़ाक् तेको सेन एना आर उनी मायजिवको दाल पिटा़उ गो़च् केदेया। एसडीपीओ दो़य मेन केदा

का़ली मेला ओ़पसो़र रे फुटबॉल एनेच् हापाराव ओरामेना, जावाँय टीम रेनको जितका़रेना



खबोरिया

मसलिया। बिहाजोरी का़ली मेला ओ़पसो़र रे सीतपहाड़ी बिहाजोरी सेच् खो़न मित् माहांकिया़ फुटबॉल एनेच् हापाराव ओराम एना। हापाराव रे जो़तो़ इ़राल टीमको सेलेत् एना। खिला़ड ओ़कते खिलाड़िया़को दो़ मों़जगे खिलाड उदुग तुलुच् जेल हो़ड़ आडीको जेल लो़गधाव मा़लुङ ओचोकेत्कोआ। टा़ण्डी रे पुरा़ सो़मो़य रोमांच आर कुसी
रेयाक् माहौल ताहेयेना। हापाराव रेयाक् फाइनल मुकाबला दो़ जावाँय टीम आर विजय इलेवन टीम ताला रे एनेच् हापाराव होय एना। बानार टीम रेन खिलाड़िया़ दो़ जिता़क् ला़गित् आम इञ जितका़रो़क् खिलाडको उदुक् केदा। मुचा़त् रे जावाँय टीम दो़ मित् गोल ते विजय इलेवन टीम हाराव काते खिताबको हामेट केदा। नोते विजय इलवेन टीम रेन
जोगजितका़रको ताहेंयेना। मुचा़त् का़मीहो़रा रे आसो़ल पेड़ा जिला परिषद सदस्य मीनू मरांडी दो़ जितका़र जावाँय टीम रेन 10 हाजार टाका पुरस्कार एमकातेय मानो़त केत्कोआ। नोते जोगजितका़र विजय इलेवन टीम रेन हों 7 हजार टाका पुरस्कार कातेय मानो़त
केत्कोआ। नोआ ओ़पसो़र रे जिला परिषद सदस्य मीनू मरांडी दो़
खिलाड़िया़को उसकुर सारहावको तुलुच्ए मेन जे खेलकूद ते जुवा़नको
रे आपसी भाईचारा, अनुसासो़न आर टीम भावना विकसित होयोक् काना। आतोटोला रे नों़कानाक् एनेच् हापारावको ओराम ते टोठारिया़ प्रतिभाको आकोवाक् खेल दाड़े उदुग रेयाक् ओ़पसो़रको जामेत् काना। नोआ ताक रे प्रमोद हे ब्रम, कृष्ण मिर्धा, पप्पू हे ब्रम, विकास
सोरेन, संजीत मुर्मू घालो़क् ओराम समिति रेन रा़सिया़ आर आयमा जेल हो़ड़को सेलेत् ताहेंकाना।

मधुबन में कोयला कंपनियों के खिलाफ ग्रामीणों का हल्लाबोल : बिना ग्राम सभा बोरिंग करने पहुंचे लोगों को खदेड़ा, स्थानीय रोजगार पर भी भड़के

संवाददाता

गोपीकांदर। गोपीकांदर थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुबन गांव में सोमवार को पहाड़िया जनजाति और स्थानीय ग्रामीणों की एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गांव में कोयले की टेस्टिंग के लिए पहुंची अरबिंदो और नेवेली कोयला कंपनियों के खिलाफ ग्रामीणों ने जमकर आक्रोश व्यक्त किया। ग्रामीणों ने एकजुट होकर सर्वसम्मति से यह बड़ा फैसला लिया कि बिना ग्राम सभा की अनुमति के किसी भी कोयला कंपनी को गांव की सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

बोरिंग मशीन और ऑपरेटरों को बैरंग लौटाया



बैठक के दौरान ग्रामीणों ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि ग्राम सभा की सहमति के बिना अरबिंदो कंपनी को गांव में बोरिंग कार्य के लिए एक इंच भी जमीन नहीं दी जाएगी। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन ने अब तक कोई ग्राम सभा आयोजित नहीं की है और सीधे गांव में घुसकर बोरिंग करने का प्रयास कर रहा है। बैठक के बीच ही जब कंपनी की बोरिंग मशीन और ऑपरेटर गांव पहुंचे, तो ग्रामीणों ने संगठित होकर विरोध जताया और उन्हें तुरंत गांव से वापस खदेड़ दिया।

75 प्रतिशत स्थानीय रोजगार के वादे पर सवाल

ग्रामीणों ने नेवेली कोल कंपनी की कार्यशैली पर भी तीखी नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी ने क्षेत्र के युवाओं को 75 प्रतिशत स्थानीय रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन हकीकत में स्थानीय बेरोजगारों की अनदेखी कर बाहर से मजदूरों को लाकर काम पर रखा जा रहा है। इससे स्थानीय युवाओं में भारी असंतोष व्याप्त है।

प्रशासन की चुप्पी पर आक्रोश, खुद जांच करेंगे ग्रामीण

बैठक में बताया गया कि ग्रामीणों ने करीब एक महीने पहले ही अपनी आपत्तियों को लेकर गोपीकांदर थाना, प्रखंड कार्यालय, दुमका उपायुक्त और नेवेली कंपनी प्रबंधन को लिखित आवेदन सौंपा था। इसके बावजूद अब तक प्रशासन या कंपनी की ओर से कोई ठोस कार्रवाई या जवाब नहीं मिला है। अब ग्रामीणों ने तय किया है कि वे जल्द ही प्रखंड कार्यालय को दोबारा पत्र सौंपकर स्थानीय युवाओं को दिए गए रोजगार का पूरा ब्योरा मांगेंगे और स्वयं निरीक्षण कर जमीनी हकीकत की जांच करेंगे।

जनजातीय गौरव दिवस : आदिम जनजाति पहाड़िया के बीच मेरा युवा भारत का कार्यक्रम

संवाददाता

दुमका । भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय मेरा युवा भारत केंद्र दुमका की ओर से आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के बीच जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया।

जनमत युवा क्लब के सहयोग से मेरा युवा भारत के तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम दुमका सदर प्रखंड अंतर्गत आसनसोल पहाड़िया टोला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही झारखंड और जनजाति के समाज के लिए किए गए उनके योगदान को भी याद किया गया। पंचायत समिति सदस्य आनंद पुजहर की अध्यक्षता में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस पर दुमका सदर प्रखंड की पूर्व प्रमुख सुजाता देवी ने आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के युवा युवतियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है और झारखंड राज्य स्थापना दिवस भी इसलिए यह दिवस हम आदिवासियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण



है। आज यह संकल्प लेने की जरूरत है कि झारखंड के विकास के लिए युवाओं को आगे लाने की जरूरत है विशेष कर आदिवासी युवाओं को उसमें भी आदिम जनजाति पहाड़िया समाज जिसमें अभी भी शिक्षा बहुत कम है, उसको शिक्षित होना होगा। जिला साक्षरता समिति के जिला कार्यक्रम समन्वयक अशोक सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है जो जनजातीय समाज के लिए गौरव और गरिमा का प्रतीक है।

डालसा की पहल : बच्चों को सिखाया अधिकारों का पाठ, बुरी लतों से दूर रहने की दी नसीहत

संवाददाता

दुमका । झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका सुधांशु कुमार शशि के आदेश पर बाल दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न स्कूलों में विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पारा लीगल वालेंटियर्स ने विद्यालयों में जाकर छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। जागरूकता अभियान के तहत पीएलवी ने बच्चों को उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के अधिकार, बाल श्रम निषेध और



सुरक्षित बचपन से जुड़े कानूनों से अवगत कराया, ताकि वे किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ आवाज उठा सकें।

इसके साथ ही पारा लीगल वालेंटियर्स ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए शिक्षा के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। बच्चों को समय का सदुपयोग करने, अनुशासित रहने और मोबाइल या नशे जैसी बुरी लतों से दूर रहकर अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की समझाइश दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही महापर्व छठ संपन्न

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

दुमका । उपराजधानी दुमका सहित पूरे जिले में लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ आज सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ संपन्न हो गया। इसी के साथ छठ व्रतियों का 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास भी पारण के साथ समाप्त हुआ।

सुबह तड़के से ही शहर के प्रमुख



छठ घाटों जैसे बड़ाबांध तालाब, खुंटा बांध, पुसारो नदी घाट, बन्दरजौरी और रसिकपुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न जलाशयों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और तोरण द्वारों से सजे घाटों पर पारंपरिक छठ गीतों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

गौरतलब है कि इस चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ हुई थी। इसके बाद 14 नवंबर को व्रतियों ने खरना का प्रसाद ग्रहण कर निर्जला व्रत शुरू किया। 15 नवंबर की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया गया और आज 16 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की गई।

पर्व के सफल आयोजन में स्थानीय पूजा समितियों और जिला प्रशासन की सराहनीय भूमिका रही। बड़ाबांध छठ पूजा समिति समेत विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं ने घाटों पर अर्घ्य के लिए दूध, दतवन, चाय और प्राथमिक उपचार की निःशुल्क व्यवस्था की थी।

दुमका में 60 दिवसीय विधिक जागरूकता महाअभियान का शंखनाद

संवाददाता

दुमका। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश और दुमका के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने न्याय और जनकल्याण को समाज के हर तबके तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। इसी कड़ी में दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत ढाका पंचायत से एक विशेष विधिक जागरूकता अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। यह महाअभियान अगले 60 दिनों तक लगातार जारी रहेगा और गांव-गांव जाकर लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करेगा।

इस अभियान का मुख्य लक्ष्य सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब, वंचित, आदिवासी, महिलाएं, बच्चे, श्रमिक और वरिष्ठ नागरिकों को नालसा की 13 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर डालसा सचिव विवेक कुमार ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए इन योजनाओं के फायदे और इनका लाभ लेने की आसान प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से नालसा की 13 जीवनदायिनी योजनाओं पर रोशनी डाली गई।

उदयमान सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचे व्रतियों के बीच बांटा निःशुल्क दूध

दुमका। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर सोमवार को खुटा बांध छठ घाट पर राष्ट्रीय जनता दल जिला इकाई द्वारा निःशुल्क दुग्ध वितरण शिविर का आयोजन किया गया। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचे छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा व सेवा के उद्देश्य से यह शिविर लगाया गया था। राजद जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ छठ व्रतियों के बीच निःशुल्क दूध और आवश्यक पूजन सामग्री का वितरण किया।

काली मेला के अवसर पर फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

मसलिया। बिहाजोरी काली मेला के शुभ अवसर पर सीतपहाड़ी बिहाजोरी की ओर से एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया। खेल के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। मैदान में पूरे समय रोमांच और उत्साह का माहौल बना रहा। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जवाई टीम और विजय इलेवन के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत के लिए दमदार खेल का प्रदर्शन किया। अंततः जवाई टीम ने एक गोल से विजय इलेवन को पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं विजय इलेवन की टीम उपविजेता रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य मीनू मरांडी ने विजेता जवाई टीम को 10 हजार रुपए की नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।

सात महीने से अंधेरे में सुपाईडीह, ट्रांसफार्मर के लिए भटक रहे आदिवासी परिवार

संवाददाता

मसलिया । मसलिया प्रखंड के कोलारकोंदा पंचायत अंतर्गत सुपाईडीह गांव के 15 आदिवासी परिवार पिछले सात महीने से अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। गांव में बिजली आपूर्ति ठप होने से बच्चों की पढ़ाई से लेकर रोजमर्रा के कामकाज तक प्रभावित हो रहे हैं। शाम होते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है, लेकिन बिजली विभाग की ओर से अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है। मुखिया उकील मुर्मू ने बताया कि मई महीने में आंधी-तूफान के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से गांव में लगा 10 केवीए का ट्रांसफार्मर जल गया था। इसके बाद 21 मई को ही सहायक विद्युत अभियंता को लिखित आवेदन देकर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की गई थी। कई बार मौखिक रूप से भी अधिकारियों को जानकारी दी गई, लेकिन कोई पहल नहीं हुई। बिजली नहीं रहने से स्कूली बच्चों को लालटेन और मोमबत्ती की रोशनी में पढ़ाई करनी पड़ रही है। मोबाइल चार्ज कराने के लिए दूसरे गांव जाना पड़ता है। पेयजल और सिंचाई में भी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने जल्द बिजली बहाल करने की मांग की है।

इस संबंध में बिजली विभाग के लाइनमैन रामप्रसाद ने बताया कि गांव के लिए नया 25 केवीए का ट्रांसफार्मर मकरमपुर में रखा हुआ है। उसे उसी समय भेजा गया था, लेकिन ग्रामीण उसे लगाने नहीं दे रहे हैं। वहीं, ग्रामीणों की ओर से विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है। ऐसे में बिजली बहाली को लेकर विभाग और ग्रामीणों के बीच स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है।

गोपीकांदर में रन फॉर झारखंड के साथ छठ घाट पर चला स्वच्छता अभियान



संवाददाता

गोपीकांदर । धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर रविवार को गोपीकांदर प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय में विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय परिसर से हुई, जहां प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी विजय प्रकाश मरांडी ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उत्साह और उमंग के साथ रन फॉर झारखंड के तहत एक विशाल ग्राम मार्च निकाला गया। यह मार्च प्रखंड परिसर से शुरू होकर तिरुपतिया नदी छठ घाट तक गया। मार्ग में गोपीकांदर थाना के समीप स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

तिरुपतिया नदी छठ घाट पहुंचने पर बीडीओ विजय प्रकाश मरांडी के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और प्रखंड कर्मियों ने श्रमदान करते हुए विशेष स्वच्छता अभियान चलाया और पूरे छठ घाट परिसर की साफ-सफाई की।

प्रखंड कार्यालय के अतिरिक्त खरौनी बाजार, कुशचिरा, गोपीकांदर और सुरजुडीह पंचायत सचिवालयों सहित क्षेत्र के अन्य सरकारी संस्थानों में भी स्थापना दिवस और बिरसा जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ अध्यक्ष ज्योतिष बास्की, गोपीकांदर पंचायत के मुखिया माईकल हेंब्रम, पंचायत सचिव विशेश्वर महतो, अजीत हेंब्रम, जितेन्द्र पाल, आनन्द कुमार सहित बड़ी संख्या में प्रखंड कर्मी और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

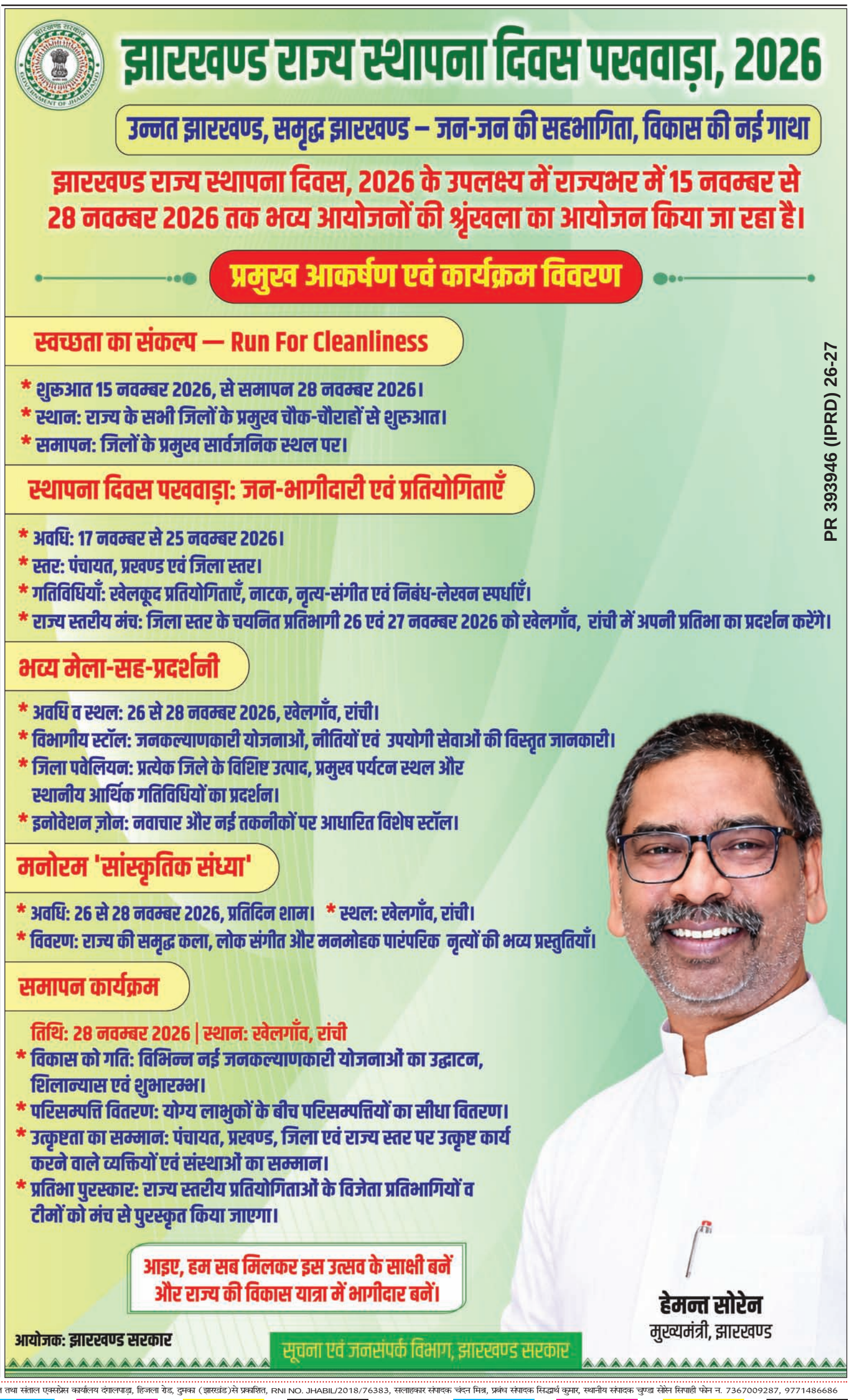

स्वामी, प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक अशोक कुमार द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,धनबाद गोविंदपुर मेन रोड अशोक नगर, केजी आश्रम,गोसाईडीह धनबाद झारखंड से मुद्रित तथा संताल एक्सप्रेस कार्यालय दंगालपाड़ा, हिजला रोड, दुमका (झारखंड)से प्रकाशित, RNI NO. JHABIL/2018/76383, सलाहकार संपादक चंदन मिश्र, प्रबंध संपादक सिद्धार्थ कुमार, स्थानीय संपादक चुण्डा सोरेन सिपाही फोन न. 7367009287, 9771486686